हम खबर बनाते नहीं, खबर बताते हैं...

बस्तर का सबसे तेज़ बढ़ता अखबार

बस्तर इम्पेक्ट

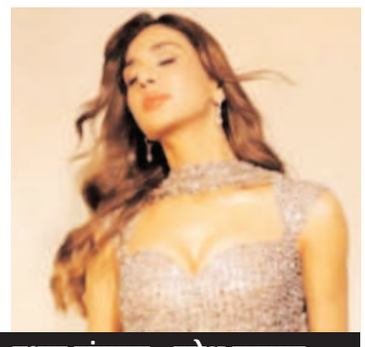

वर्ष-18, अंक-313, दंतेवाड़ा, शुक्रवार, 31 जुलाई 2026, पृष्ठ-08, मूल्य- 1.50 रुपए | रायपुर एवं दंतेवाड़ा से एक साथ प्रकाशित | email. bastarimpact@gmail.com, RNI NO. CHHHIN/2009/32467, प्रधान संपादक - सुरेश महापात्र

राष्ट्रपति भवन में गूंजा बस्तर का गौरव : बस्तर पंडुम के विजेताओं और जनजातीय प्रतिनिधियों का हुआ विशेष सम्मान

बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति भवन में पहली बार बस्तर की जनजातीय संस्कृति का ऐसा वैभव देखने को मिला : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुंचा 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, राष्ट्रपति को भेंट की 300 वर्ष पुरानी झिटकू-मिटकी की अनुपम कलाकृति

इम्पेक्ट न्यूज. नई दिल्ली/रायपुर

छत्तीसगढ़ के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकारों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों और पद्म सम्मानित विभूतियों सहित 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रपति भवन में भव्य और आत्मीय स्वागत हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया और स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर उनका सम्मान किया। इस आत्मीय दृश्य ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर के पारंपरिक मांझी-चालकी प्रतिनिधि, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकार, पद्म सम्मानित विभूतियां, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

बस्तर पंडुम से मिली नई पहचान

राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर पंडुम ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं और परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देते हैं।

राष्ट्रपति ने जाना बस्तर की संस्कृति का गौरव

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल से आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककला, मांझी-चालकी व्यवस्था और बस्तर पंडुम के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत भारत की अमूल्य धरोहर है, जिसका संरक्षण पूरे देश की जिम्मेदारी है।

'मैं बस्तर आना चाहती हूं'

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर राष्ट्रपति ने भविष्य में बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय के बेहद करीब है और भगवान जगन्नाथ की परंपरा से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव रहा है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे। उन्होंने जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक संरक्षण की मजबूत आधारशिला बताया।

'बस्तर अब विकास और शांति की नई पहचान'

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार के प्रयासों और जनभागीदारी से बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शिक्षा, सड़क, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की सराहना करते हुए इसे पूरे देश के लिए गर्व का विषय बताया।

मुख्यमंत्री साय बोले- पूरे छत्तीसगढ़ का सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल का सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने राष्ट्रपति को बस्तर आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि उनके आगमन से जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पहचान मिलेगी।

अमित शाह बोले- पहली बार देखा ऐसा दृश्य

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वे कई बार राष्ट्रपति भवन आए हैं, लेकिन पहली बार राष्ट्रपति भवन में बस्तर की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में इतना बड़ा प्रतिनिधिमंडल एक साथ देखा है। उन्होंने इसे भारत की सांस्कृतिक विविधता और जनजातीय गौरव का अद्भुत प्रतीक बताया।

छत्तीसगढ़ में बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में प्रमुख रेल परियोजनाओं को गति देने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की विस्तृत चर्चा

रेल नेटवर्क का विस्तार छत्तीसगढ़ के संतुलित और समावेशी विकास का मजबूत आधार बनेगा : मुख्यमंत्री श्री साय.

इम्पेक्ट न्यूज. नई दिल्ली/रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली प्रवास के दौरान रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना के विस्तार, नई रेल परियोजनाओं तथा लंबित रेल लाइनों की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू तथा राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में... शेष पेज 02 पर

सुप्रीम कोर्ट ने पैलेट गन पर रोक से किया इनकार

कहा - पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

दिल्ली सरकार को आदेश, केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए।

वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात RAF के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है।... शेष पेज 02 पर

दिल्ली सरकार ने कहा- CJP प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं होगा

दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस ने एक बयान में कहा है कि 29 जुलाई की शाम 6 बजे तक NEET (UG) परीक्षा में अनियमितताओं से जुड़े प्रदर्शन को लेकर 13 FIR दर्ज की गई थीं। सरकार के आदेश के अनुसार, जिन लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने कहा कि जिन लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। सरकार ने यह भी कहा कि इस मामले को अब बंद माना जाएगा और भविष्य में इन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पुलिस ने 13 FIR दर्ज की थीं, जिनका क्रिमिनल रिकॉर्ड, उनपर एक्शन होगा

अबतक 4 राज्यों ने केस वापस लिए

अबतक 4 राज्य सरकारें NEET-UG 2026 पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले और FIR वापस लेने की घोषणा कर चुकी हैं। इनमें असम, बिहार, महाराष्ट्र और दिल्ली शामिल हैं। बिहार पुलिस ने 26 जुलाई की शाम 6 बजे तक दर्ज सभी मामले वापस लेने का ऐलान किया था।

पूर्व बस ड्राइवर के घर 28 करोड़ कैश, 15kg सोना मिला

नोट गिनते-गिनते 5 मशीनें खराब हुईं, आरोपी गिरफ्तार, बंगाल के बीरभूम में बस चलाता था

एजेंसी न्यूज. कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में 28.5 करोड़ से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब 21.5 करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 50 करोड़ की है। नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं। पुलिस ने... शेष पेज 02 पर

रहाणे का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास, भावुक हुए

बोले- अब नया पड़ाव, 2020 में कप्तानी की, मेलबर्न में सेंचुरी, सीरीज 2-1 से जीते

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। वीडियो में 38 साल के राहणे ने भावुक होते हुए कहा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का यही सही समय है।

छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर बैन

पाम ऑयल और मिल्क पाउडर से बनता है, स्वास्थ्य मंत्री बोले- आज के बाद नहीं बिकेगा

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में एनालॉग पनीर के कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। सरकार...

क्या है एनालॉग पनीर

एनालॉग पनीर दूध के बजाय वनस्पति तेल, स्किम्ड मिल्क पाउडर, स्टार्च मिलाकर तैयार किया जाता है। यह असली पनीर से सस्ता पड़ता है, इसलिए कई होटल, ढाबे और फूड बिजनेस लागत कम करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। वहीं, यदि पनीर को सिंथेटिक या मिलावटी सामग्री से तैयार कर असली पनीर के नाम पर बेचा जाता है, तो वह नकली या मिलावटी पनीर की कैटेगरी में आता है।

1 किलो नकली पनीर 180 में तैयार होता है

शंकर नगर के एक मकान में नकली पनीर की यूनिट के संचालक ने रामानंद बाघ ने बताया कि मैंने एनालॉग प्रोडक्ट बनाने का लाइसेंस ले रखा है। हम अच्छे क्वॉलिटी का दूध पाउडर और ऑयल इस्तेमाल करते हैं। एक एनालॉग बनने के लिए करीब 180 रुपए का खर्च आता है। इसे तैयार कर 200 से 250 प्रति किलो में बेचते हैं।

नेपाल में कांवड़ यात्रा के दौरान सांप्रदायिक हिंसा, 2 लोगों की मौत

2 लोगों की मौत, 2 जिलों में कर्फ्यू, डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ

इम्पेक्ट न्यूज. काठमांडमू

नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात कांवड़ यात्रा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुए एक मामूली विवाद गुरुवार को बड़े सांप्रदायिक तनाव में बदल गया है। शुरुआत में यह मामला दो समुदायों के बीच कहासुनी तक सीमित था, लेकिन देखते ही देखते हिंसा फैल गई और पुलिस को हालात काबू करने के लिए गोली चलानी पड़ी। इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे तराई-मधेश क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शन के दौरान सिराहा में एक और युवक की मौत के बाद तनाव और बढ़ गया।

प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नेपाल के सुनसरी और सिराहा जिलों के कई हिस्सों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।

भारतीय हॉकी टीम की नारंगी जर्सी पर विवाद

पूर्व कप्तान रास्किन्हा बोले- नीला रंग हमारी पहचान, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने कहा- खिलाड़ियों की पसंद

नई दिल्ली। हॉकी वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी को लेकर विवाद हो गया है। दशकों से नीली जर्सी में खेलने वाली भारतीय टीम अब वर्ल्ड कप में नारंगी रंग की किट में नजर आएगी। भारतीय हॉकी के दिग्गज और पूर्व कप्तान विरेन रास्किन्हा ने जर्सी का रंग बदलने के... शेष पेज 02 पर

छत्तीसगढ़-ओडिशा को जोड़ने वाला निर्माणाधीन पुल भरभराकर गिरा

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

गरियाबंद जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा निर्माणाधीन पुल भरभराकर गिर गया। करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा यह पुल छत्तीसगढ़ के अमलीगांव और ओडिशा के चार गांवों को जोड़ने वाला था। लगातार बारिश के कारण पुल ढह गया, जिससे दोनों राज्यों के बीच संपर्क प्रभावित हुआ।

लगातार बारिश से रायपुर में खारून नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। बस्तर संभाग में नारायणपुर को महाराष्ट्र से जोड़ने वाले NH-130 पर बाकुलाही के पास पुलिया प्रभावित हुआ है, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया।

बंगाल और ओडिशा में बने सिस्टम के असर से छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटे तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स : नीरज, रोहित और यश जैवलिन फाइनल में नीरज ने 79.61 मीटर का थ्रो किया, पाकिस्तान के अरशद भी क्वालफाई, मेडल इवेंट आज

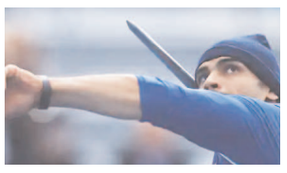

ग्लासगो। भारत के नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह कॉमनवेल्थ गेम्स के जैवलिन थ्रो फाइनल में पहुंच गए हैं। क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज ने 79.61 मीटर का बेस्ट थ्रो कर पांचवां स्थान हासिल किया। पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम 78.63 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। मेडल इवेंट शुक्रवार देर रात 12.45 बजे से खेला जाएगा।

नीरज ने पहला थ्रो 76.28 मीटर का किया

नीरज ने पहले प्रयास में 76.28 मीटर और दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया और पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। भारत के रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवें और यश वीर सिंह 78.36 मीटर के साथ दसवें स्थान पर रहे।

सुप्रीम-कोर्ट ने भोजशाला से सटी जमीन नमाज के लिए दी

कहा- धार्मिक अधिकार नहीं छीन सकते, सरकार ने 2Km दूर जगह दी थी

धार। सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला-कमाल मौला विवाद में अपने पहले दिए गए अंतरिम आदेश को स्पष्ट कर दिया है। कोर्ट ने मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला परिसर से सटी दरगाह की जमीन खसरा नंबर 596 पर अनुमति दी है। हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे... शेष पेज 02 पर

215 कुलपतियों-शिक्षाविदों ने प्रियंका गांधी को चिट्ठी लिखी

कहा- मतभेद सही, लेकिन मजाक नहीं उड़ाना चाहिए, IIT डायरेक्टर कामकोटि को गोमूत्र विशेषज्ञ कहा था

नई दिल्ली। देशभर के 215 वर्तमान और पूर्व कुलपतियों और शिक्षाविदों ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को खुला पत्र लिखा है। इसमें प्रोफेसर वी कामकोटि के खिलाफ उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। पत्र में कहा गया है कि किसी शिक्षाविद् पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते समय तथ्यों और गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए। आपके मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

प्रियंका ने लोकसभा में गोमूत्र विशेषज्ञ कहा था

प्रियंका ने कहा था- अध्यक्ष महोदय, आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय जी को आपके माध्यम से मैं कहना चाहती हूं कि शायद उन्हें अपने सलाहकार बदलने चाहिए। नई-नई कमेटियां बनाने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि उनका अध्यक्ष चाहे कोई भी हो, राधाकृष्ण कमेटी भी व्यवस्था में सुधार लाने के लिए बनी थी, आज तक उसकी एक सिफारिश लागू नहीं हुई है। और इस नई कमेटी में तो... इस नई कमेटी में तो... एक एक्स-IB चीफ... एक एक्स-IB चीफ, एक IT कंपनी के मालिक और एक गोमूत्र के विशेषज्ञ भी हैं। इन्हें शिक्षा के बारे में क्या पता जी? सर, सच है! आप आज मेरे से नाराज हो रहे हैं, बस मुस्कुरा लीजिए।

रेड सी की सुरक्षा के लिए गठबंधन बना रहा सऊदी: 50 देशों को न्योता भेजा; जहाजों को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाना मकसद

एजेंसी न्यूज. रियाद

सऊदी अरब ने ऐलान किया है कि वह रेड सी (लाल सागर) में जहाजों की सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाएगा। इसका मकसद यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों से जहाजों की रक्षा करना है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस गठबंधन में शामिल होने के लिए 50 देशों को न्योता भेजा गया है। हालांकि, कौन से देश इसमें शामिल होंगे यह अभी तय नहीं हुआ है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

हूती विद्रोहियों ने 20 जुलाई को सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया था। उसने कहा कि सऊदी पोर्ट का इस्तेमाल करने वाले जहाजों पर हमला किया जा सकता है।

गठबंधन में कौन हो सकता है शामिल?

मिडिल ईस्ट की न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के मुताबिक अमेरिका, पाकिस्तान, मिस्त्र, तुर्किये, जिबूती, सोमालिया और सूडान को न्योता भेजा गया है। इसके अलावा जर्मनी, फ्रांस और इटली समेत कई यूरोपीय देशों को भी निमंत्रण मिला है।

इस रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया

है कि मिस्त्र, जिबूती और सूडान गठबंधन में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं।

हालांकि, अमेरिका अभी तक आधिकारिक तौर पर गठबंधन में शामिल होने की पुष्टि नहीं कर पाया है, लेकिन उसके इसमें शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

हूती विद्रोहियों से जहाजों को कैसे बचाया जाएगा

1. युद्धपोत तैनात किए जाएंगे

एक्सपर्ट के मुताबिक गठबंधन में शामिल देश अपने नौसैनिक युद्धपोत रेड सी और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में तैनात करेंगे। ये जहाज आसपास गश्त करेंगे और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा करेंगे।

2. जहाजों को काफिले में ले जाया जाएगा

तेल टैंकर और मालवाहक जहाजों को अकेले भेजने के बजाय काफिले में भेजा जाएगा। उनके साथ वॉरशिप चलेंगे, जिससे हमला होने पर तुरंत जवाब दिया जा सके।

3. ड्रोन और मिसाइल रोकने की कोशिश

हूती अक्सर ड्रोन, मिसाइल और विस्फोटकों से भरी नावों से हमला करते हैं। युद्धपोतों पर लगे एयर डिफेंस सिस्टम और रडार इन हमलों का पहले ही पता लगाकर उन्हें मार गिराने की कोशिश करेंगे।

4. हवाई निगरानी बढ़ेगी

समुद्र के ऊपर ड्रोन, गश्ती विमान और निगरानी वाले विमान लगातार उड़ान भरेंगे। इससे हूती के लॉन्चिंग पॉइंट और संदिग्ध गतिविधियों का जल्दी पता चल सकेगा।

5. खुफिया जानकारी साझा होगी

गठबंधन में शामिल देश रडार, सैटेलाइट और खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। इससे खतरे की पहले से चेतावनी मिल सकेगी।

सऊदी रक्षा मंत्री की अमेरिकी नेताओं से मुलाकात

एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ इमरजेंसी बैठक की।

ब्रेकिंग न्यूज...

पीओके में बवाल के बीच हिंसा का विस्फोट! प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग का दावा, 40 मौतों का आरोप; मामला संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचा

एजेंसी न्यूज. इस्लामाबाद

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। लॉन्ग मार्च के दौरान पाकिस्तानी सेना पर प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने के आरोप लगे हैं। विभिन्न दावों के अनुसार इस घटना में 40 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि, इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोग अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे थे। इसी दौरान हालात बिगड़ गए और सुरक्षा बलों तथा प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। इसके बाद कथित रूप से गोलीबारी हुई, जिससे कई लोगों के हताहत होने का दावा किया जा रहा है। घटना के बाद यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गूंजने लगा है। मानवाधिकार संगठनों ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने और नागरिकों के खिलाफ कथित बल प्रयोग को तत्काल रोकने की मांग की है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र से भी मामले में हस्तक्षेप कर हालात सामान्य कराने की अपील की गई है।

पाकिस्तान में आतंक का खूनी खेल! पुलिस चौकी पर बड़ा हमला, 9 सुरक्षाकर्मी शहीद; जवाबी कार्रवाई में 15 आतंकी ढेर

एजेंसी न्यूज. इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बार फिर आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाया। हांगू जिले में स्थित एक पुलिस चौकी पर हुए भीषण आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच लंबी मुठभेड़ हुई। इस हिंसक संघर्ष में नौ सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। हमले के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर बड़े स्तर पर जवाबी अभियान शुरू किया। कई घंटे तक चली कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने 15 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया। अभियान के दौरान पूरे क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां हमले में शामिल अन्य आतंकियों की तलाश में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। खैबर पख्तूनख्वा लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। हाल के महीनों में इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर हमलों की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके चलते पाकिस्तान सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के सामने आतंकवाद पर नियंत्रण की चुनौती और गंभीर हो गई है। ताजा हमले के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

ट्रंप के नए टैरिफबयान से बढ़ी चिंता: रूस प्रतिबंध विधेयक में ईरान की एंट्री, भारत पर 100त्न शुल्क का मंडराया खतरा

एजेंसी न्यूज. वॉशिंगटन

अमेरिका में रूस के खिलाफ प्रस्तावित नए प्रतिबंध विधेयक को लेकर एक बार फिर सियासी और कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि इस विधेयक में केवल रूस ही नहीं, बल्कि ईरान से जुड़े व्यापार पर भी सख्त टैरिफ का प्रावधान जोड़ा जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद भारत समेत कई देशों की चिंता बढ़ गई है।

अमेरिकी सीनेट से पारित प्रस्तावित विधेयक में ऐसे देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफलगाने का प्रावधान है, जो रूस के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार जारी रखते हैं। ट्रंप का कहना है कि यदि ईरान के साथ आर्थिक संबंध रखने वाले देशों को भी इसमें शामिल किया जाए, तो अमेरिकी प्रतिबंध नीति और अधिक प्रभावी हो सकती है। यदि यह विधेयक अंतिम रूप लेकर कानून बन जाता है, तो भारत पर भी इसका असर पड़ सकता है। भारत ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक जरूरतों के तहत रूस से तेल आयात करता है, जबकि ईरान के साथ भी उसके लंबे समय से आर्थिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। ऐसे में अमेरिका की नई नीति दोनों देशों के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 100 प्रतिशत तक के संभावित टैरिफसे भारतीय निर्यातकों और उद्योगों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर देखने को मिल सकता है।

हालांकि, यह विधेयक अभी पूरी तरह कानून नहीं बना है। इसे लागू होने से पहले अमेरिकी संसद की आगे की प्रक्रिया और राष्ट्रपति की मंजूरी से गुजरना होगा। इसलिए फिलहाल अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन ट्रंप के ताजा बयान ने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। भारत सरकार फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

पेज 01 का शेष...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय...

केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है। बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज़ व्हीकल (SPV) का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मु यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मु यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की तीन अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं - सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) तथा अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) - को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मु यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई रेल परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास, खनिज परिवहन, कृषि उत्पादों की सुगम आवाजाही, पर्यटन संवर्धन और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत होगा तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति मिलेगी।

सुप्रीम कार्ट ने पैलेट...

कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

संसद मार्च में 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हुए

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे।।

इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। दावा किया गया कि छात्रों पर पैलेट गन भी चलाई गई। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं।

भारतीय हॉकी टीम...

फैसले पर सवाल उठाए हैं। वहीं, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का बचाव किया है। रास्किन्हा ने कहा कि नीले रंग की जर्सी हमारी पहचान थी। उधर, टिर्की ने कहा कि मौजूदा जर्सी का रंग खिलाड़ियों की पसंद थी। हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को पुरुष और महिला टीमों की नई जर्सी लॉन्च की थी।

छत्तीसगढ़ में एनलॉग...

जल्द ही बिक्री रोकने का आदेश जारी करेगी। पिछले एक साल में रायपुर में मिलावटी और एनालॉग पनीर के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाई हुई हैं। जुलाई 2025 में बिरगांव की काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध/एनालॉग पनीर जब्त कर फैक्ट्री सील की गई थी।

हाल ही में खाद्य विभाग ने रायपुर की एक और पनीर फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 1,700 किलो पनीर के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। यानी पिछले एक साल में रायपुर में करीब 4,200 किलो संदिग्ध पनीर पर कार्रवाई हो चुकी है।

इन्हीं लगातार कार्रवाई और जांच में सामने आए मामलों के बाद अब राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

सुप्रीम कार्ट ने भाजशाला...

से 3 बजे तक नमाज अदा की जा सकेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस भूखंड तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता है और यह विवादित भोजशाला परिसर के बिल्कुल पास है। इसलिए यह नमाज के लिए उपयुक्त स्थान है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को यहां जरूरी व्यवस्थाएं करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के पिछले आदेश के बाद प्रशासन ने 2 किलोमीटर दूर जगह तय की थी, जहां मुस्लिमों ने नमाज से मना कर दिया था। इसके बाद याचिका दायर की थी।

ष्टछ्वढ्ढ बोले- येलो साइट नमाज के लिए सूटेबल

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नक्शे में दिखाई गई येलो साइट पर ध्यान दिलाया। कोर्ट ने कहा कि इस जगह तक अलग और स्वतंत्र रास्ता है। यह विवादित परिसर से सटी हुई है। मुस्लिम पक्ष ने भी इसी जगह पर सहमति जताई। इसके बाद कोर्ट ने इसी जगह को नमाज के लिए सूटेबल माना। भोजशाला परिसर के पीछे लकड़ी पीठा के पास सर्वे नंबर 596 की जमीन मौजूद है। यह परिसर के पीछे दाहिनी ओर निकलने वाले वैकल्पिक निकास मार्ग के ठीक सामने है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार शुक्रवार की नमाज केवल इसी जगह पर अदा की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव: ईरानी हमले में चीनी कंपनी की इमारत क्षतिग्रस्त, एक की मौत; अमेरिका-ईरान टकराव और गहराया

एजेंसी न्यूज. दुबई

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब और गंभीर होता नजर आ रहा है। हालिया घटनाक्रम में ईरान से जुड़े हमले में एक चीनी कंपनी की इमारत को नुकसान पहुंचने और एक व्यक्ति की मौत की खबर ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है। इसके बाद पूरे इलाके में सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं।

बताया जा रहा है कि पिछले 24 घंटों के दौरान दोनों पक्षों की ओर से सैन्य तैयारियों और जवाबी कार्रवाई में तेजी आई है। इस बीच सऊदी अरब के भी ईरान समर्थित गुटों के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल होने की खबरों ने हालात को और जटिल बना दिया है। कूटनीतिक स्तर पर तनाव कम करने के प्रयास भी फिलहाल सफल नहीं हो सके हैं। बातचीत की संभावनाएं कमजोर पड़ने के बाद क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों पक्ष संयम नहीं बरतते हैं, तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है।

हमले में क्षतिग्रस्त इमारत और मृतक की पहचान को लेकर संबंधित एजेंसियां जांच कर रही हैं। वहीं, विभिन्न देशों ने अपने नागरिकों के लिए सतर्कता संबंधी सलाह जारी की है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों पक्षों से संयम बरतने और विवाद का समाधान बातचीत के जरिए निकालने की अपील कर रहा है। आने वाले दिनों में क्षेत्र की स्थिति किस दिशा में जाती है, इस पर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं।

जापान में भूकंप से मौतों का आंकड़ा 28 पहुंचा; मॉल के मलबे में रेस्क्यू जारी

टोक्यो। जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। कुमामोटो प्रशासन ने बताया है कि राहतकर्मी अब भी ढहे हुए एयॉन शॉपिंग मॉल के मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं, हजारों लोग बिजली-पानी के बिना भीषण गर्मी झेल रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, मॉल से अब तक 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें 4 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है और 5 लोग घायल हैं। राहतकर्मी अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप के बाद हजारों घरों में बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। गुरुवार सुबह तक करीब 22,670 घरों और संस्थानों में बिजली नहीं थी, जबकि 84 हजार से ज्यादा घरों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। राहत शिविरों में भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठहराया गया है और सरकार ने वहां एयर कंडीशनर भेजे हैं।

जॉर्डन हमले का अमेरिका ने लिया कड़ा बदला ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले, पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा गहराया

एजेंसी न्यूज. वॉशिंगटन/तेहरान

जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान से जुड़े कई रक्षा और मिसाइल ठिकानों पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की है। इस जवाबी हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है और पूरे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंका तेज हो गई है।

अमेरिकी सेना ने रणनीतिक ठिकानों, मिसाइल भंडारों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए कई हवाई हमले किए। इसके साथ ही समुद्री क्षेत्र में भी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी गई हैं। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई उसके सैनिकों पर हुए हमले का जवाब है और क्षेत्र में उसके हितों की रक्षा के लिए आवश्यक थी।

दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि यदि हमले जारी रहे तो उसका जवाब और अधिक सख्त होगा। इससे पूरे पश्चिम एशिया में हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं।

इस बढ़ते टकराव का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। युद्ध की आशंका के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है। ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका से निवेशकों और तेल आयातक देशों की चिंता बढ़ गई है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और विवाद का समाधान बातचीत के माध्यम से निकालने की अपील की है। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव कम नहीं हुआ तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा, व्यापार और ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है।

कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें,जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

Phone & Fax 07856-252237 Email Adress - ddvsdant.cg@nic.in

क्रमांक/ 833 /डी.एम.एफ. /2026–27 दन्तेवाड़ा/दिनांक - 28/07/2026

निविदा

गिर. एवं साहिवाल नस्ल के दुधारू पशु प्रदाय हेतु निविदा आमंत्रण बाबत्

जिला दन्तेवाड़ा में भारतीय नस्ल के गिर एवं साहिवाल दुधारू पशु प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है। दुधारू पशु प्रदाय हेतु पंजीकृत/ अधिकृत विकेताओं से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र की प्राप्ति के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करें निविदा के लिए 750.00 (अक्षरी सात सौ पचास रू0 मात्र) नगद या बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से भुगतान कर दिनांक 31.07.2026 से कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्राप्त किया जा सकता है। डाक से निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु डाक व्यय रूपये 200.00 (अक्षरी रूपये दो सौ मात्र) का अतिरिक्त भुगतान करना होगा। निविदा प्रपत्र क्रय की देय राशि वापसी योग्य नहीं होगी। डाक द्वारा प्रेशित निविदाओं में किसी भी प्रकार के विलंब के लिये कार्यालय जवाबदार नहीं होगा। निविदा प्रपत्र का अवलोकन कार्यालयीन दिवस एवं समय में किया जा सकता है। जिसमें क्रय किये जाने वाले दुधारू पशु के नस्ल का नाम, अनुमानित मात्रा के साथ–साथ निविदा शर्तो का उल्लेख किया गया है।

इच्छुक पंजीकृत/ अधिकृत विकेताअधिक जानकारी/ नियम एवं शर्त हेतु जिला द.ब. दन्तेवाड़ा की www.dantewada.nic.inका अवलोकन कर सकते है।

क्र0	निविदा का प्रकार	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एंव समय	निविदा खोलने की तिथि एंव समय
1	दुधारू पशु (गिर एवं साहिवाल)	18.08.2026 / सांय 05:30 बजे तक	21.08.2026 / सांय 05:30 बजे तक	24.08.2026 / सांय 05:30 बजे तक

आवेदन खोलने का स्थानः– कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें
जिलाः- द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

जी-262702449

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

//मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना प्रथम बार (क.–07)//

क्रमांक/ 828 /निविदा/ग्रा.यां.सेवा/2026–27 दन्तेवाड़ा दिनांक– 29/07/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल आमंत्रण निविदा प्राप्ति दिनांक **21/08/2026** तक आमंत्रित की जाती है :–

स. क.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू.लाख में)	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा–जनपद पंचायत गीदम अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यो में	40.00 लाख	दिनांक **21/08/2026** शाम 5.00 बजे तक
2	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा–जनपद पंचायत दन्तेवाड़ा अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यो में	40.00 लाख	
3	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा–जनपद पंचायत कुआकोंडा अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यो में	40.00 लाख	
4	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा–जनपद पंचायत कटेकल्याण अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यो में	40.00 लाख	

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट **http://res.cg.gov.in** में दिनांक **05/08/2026 से 19/08/2026** तक देखी/डाऊनलोड की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

जी-262702453

आज बस्तर के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन रहा। राष्ट्रपति भवन में नक्सल मुक्त बस्तर ने अपनी नई तस्वीर प्रस्तुत की। बस्तर की बेटी पद्मश्री बुधरी ताती और रेणुका सिंह की मौजूदगी से दंतेवाड़ा गौरवान्वित हुआ

राष्ट्रपति ने जताई बस्तर आने की इच्छा

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भविष्य में बस्तर दशहरा एवं बस्तर पंडुम में सम्मिलित होने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय को विशेष रूप से स्पर्श करता है। राष्ट्रपति ने भगवान जगन्नाथ की काष्ठ निर्मित प्रतिमा तथा बस्तर दशहरा की अद्वितीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बस्तर दशहरा से विशेष आत्मीय संबंध रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था सामाजिक एकता, सामुदायिक सहभागिता और सांस्कृतिक संरक्षण की सशक्त आधारशिला है।

बस्तर पंडुम ने संस्कृति को दिलाई नई पहचान

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने बस्तर की वास्तविक सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करते हैं।

संपादकीय...

अब वापस गांव लौटना शर्म की बात

देश में सबसे कम शहरीकरण वाला राज्य हिमाचल प्रदेश है और उसके बाद बिहार का नंबर आता है। इसके बाद असम, ओडिशा आदि राज्य आते हैं। इन राज्यों में शहरीकरण नहीं हुआ है लेकिन गांव लापता हो गए हैं। सवाल है कि कहां चले गए हैं गांव के लोग? वह भी इस समय जब खेती किसानी का समय है? पिछले दिनों एक रील सोशल मीडिया में वायरल हुई, जिसमें पंजाब में धान की रोपनी कर रहे बिहार के किसान अपनी पीड़ा बता रहे थे। वे बिहार के नौजवानों से कह रहे थे कि पंजाब में उनका जीवन कितना मुश्किल है। वे अपील भी कर रहे थे कि अगर पढ़ सकते हो तो पढ़ो और कुछ करो। इस रील में सवाल है कि जवाब है। देश के तमाम पिछड़े इलाकों, जिनमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल का नाम खास तौर पर लिया जा सकता है, से गांव उठ कर दिल्ली, पंजाब, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा, बेंगलुरू और हैदराबाद चले गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि गांव लापता हुए हैं और वहां के लोग देश के बड़े शहरों में चले गए हैं। गांवों से निकल कर ज्यादातर लोग अपने आसपास के शहरों मे गए हैं। अच्छे जीवन की तलाश में, बच्चों की अच्छी शिक्षा व बुजुर्गों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की तलाश में, शहर में मिलने वाली सुविधाओं की मृग मरीचिका में लोग गांव से निकल कर शहर में आ गए हैं या शहर के नजदीक आ गए हैं। 'राग दरबारी' में पहले ही पन्ने पर श्रीलाल शुक्ल ने लिखा है कि 'शहर का वह छोर, जहां से देहात का महासागर शुरू होता है'। लेकिन अब शहर की सीमा के बाद देहात का महासागर नहीं दिखता है, बल्कि बेहद बदरंग रूप में शहर ही देहात तक पहुंच गया है या शहर ही देहात बन गया है। लोग गांवों से निकल कर शहरों की ओर भागे तो शहर का भौगोलिक विस्तार तेजी से हुआ। शहर का विकास नहीं हुआ, सुविधाएं नहीं बढ़ीं सिर्फ भौगोलिक विस्तार हुआ। जैसे दिल्ली में भीड़ बढ़ती गई तो एनसीआर का दायरा बढ़ता गया वैसे ही बिहार के किसी शहर का विस्तार हुआ तो नगर निगम या नगरपालिका की सीमा बढ़ती गई। लोग इस बात से खुश हुए कि उनका गांव, टोला या मोहल्ल नगरपालिका की सीमा में आ गया। लेकिन नगरपालिका ने वैसी सुविधाएं भी विकसित नहीं की, जैसी पंचायत में उनको मिलती थी। राष्ट्रपति रहते एपीजे अब्दुल कलाम ने पुरा (पीयूआरए) यानी प्रोविजन ऑफ अर्बन एमेनिटीज टू रूरल एरियाज का जिक्र किया था, जिसे 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने शुरू किया था। इसके तहत ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएं यानी सीवेज, पीने के पानी, अच्छी सड़क आदि की सुविधा देनी थी।

विदेशी कंपनियों का पूरा नियंत्रण

फिट नटेक से संबंधित भारत के महत्त्वपूर्ण डेटा तक अमेरिकी कंपनियों की पैठ गहराती जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र पर वॉलमार्ट, गूगल, मेटा आदि जैसी विदेशी कंपनियों का लगभग पूरा नियंत्रण है। फिनटेक ऐप क्रेड में 90 करोड़ डॉलर के निवेश और क्रेड के संस्थापक कुणाल शाह को ह्वाट्सऐप का वैश्विक प्रमुख बनाने के मेटा के फैसले से उचित ही भारतवासियों में उपलब्धि बोध भरा है। शाह अब अनेक बड़े नामों में शामिल हो गए हैं, जो भारत से शुरुआत करते हुए सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनियों में सर्वोच्च पद पर पहुंच गए। यह भारत की तकनीकी एवं प्रबंधकीय शिक्षा व्यवस्था की प्रतिभा तराशने की उच्च क्षमता की एक मिसाल है। मगर इस चकमते सिक्के का एक दूसरा पहलू भी है। ऐसी हर उपलब्धि इस हकीकत को बेनकाब करती है कि भारत प्रतिभाओं का लॉन्च पैड बनने से आगे नहीं बढ़ पाया है। स्वदेशी प्रतिभाएं भारत में स्टार्ट-अप्स के जरिए अपनी पहचान बनाती हैं, जिन्हें जल्द ही खासकर अमेरिकी कंपनियां खींच ले जाती हैं। नतीजतन, आज तक एक भी भारतीय ब्रांड अपनी अद्वितीय वैश्विक पहचान नहीं बना पाया है। क्रेड के सिलसिले में यह चिंताजनक पहलू भी उभरा है कि भारतीय फिनटेक में रणनीतिक निवेश के जरिए देश के महत्त्वपूर्ण डेटा तक अमेरिकी कंपनियों की पैठ गहराती जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र पर वॉलमार्ट, गूगल, मेटा आदि जैसी विदेशी कंपनियों का लगभग पूरा नियंत्रण है। 2018 में लॉन्च हुए क्रेड के आज लगभग एक करोड़ 70 लाख यूजर हैं, जो अपने क्रेडिट कार्ड, बीमा खरीदारी, यूपीआई पेमेंट, ऋण, निवेश आदि से जुड़े कार्य इस कार्ड से करते हैं। ये भारत के सबसे समृद्ध उपभोक्ता हैं, जिनका बेहद अहम डेटा क्रेड के पास है। आशंका पैदा हुई है कि भविष्य में इस कंपनी अपना निवेश बढ़ाकर मेटा इन सारे आंकड़ों की मालिक बन सकती है। गौरतलब है कि ह्वाट्सऐप का इस्तेमाल भी पेमेंट ऐप के रूप में होता है। यह डेटा मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एजेंट के लिए भी बड़े काम का साबित हो सकता है। भारत में चीन की तरह डेटा ट्रांसफर पर रोक की कारगर कानूनी व्यवस्था नहीं है। ऐसे में संप्रभु एआई या संप्रभु हाई टेक का विकास की बातें खोखली नजर आने लगती हैं।

इंडियाहैंडमेड : भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।

हस्तनिर्मित आजीविका के लिए एक डिजिटल इंडिया ब्रिज

भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है।

भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दर्शाती है।

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है।

इंडियाहैंडमेड को 2023 में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

भारत में इंडियाहैंडमेड प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं

इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता है:

विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेस: यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है।

खरीदारों की सीधी पहुंच: कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है।

अधिक मौजूदगी: प्लेटफ़ॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरण: कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है।

वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरण: व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है।

सांस्कृतिक संरक्षण: शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है।

इंडियाहैंडमेड सबसे अलग कैसे

पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिज़ाइन किया गया है। यह एक सहज बाज़ार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लिए एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान, घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर, धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र, आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

जीआई-टैग किए गए उत्पाद

जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जीआई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पश्मीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

ओडीओपी उत्पाद

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं।

विश्वास बनाना और विक्रेता की भागीदारी को आसान बनाना

बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासनः खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है। यह प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दस्तकारी उत्पादों की पेशकश करके विश्वास को भी मजबूत करता है।

विक्रेताओं के लिए सरल ऑनबोर्डिंगः यह मंच कारीगरों, बुनकरों और उत्पादक संगठनों को बाज़ार तक पहुँचने के लिए एक निर्देशित ऑनबोर्डिंग मार्ग प्रदान करता है।

छोटे विक्रेताओं को डिजिटल व्यापार में लाना

जीएसटी पंजीकरण के बिना विक्रेता एक नामांकन आईडी का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें केवल अपने राज्य के भीतर बेचने का आदेश है। यह पोर्टल को छोटे कारीगरों और पहली बार डिजिटल विक्रेताओं के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाता है।

बाज़ार के पीछे की सफलता की गाथाएं

इस प्लेटफॉर्म के पीछे कारीगर, बुनकर और उद्यम हैं जिनकी शिल्प परंपराएं डिजिटल व्यापार के माध्यम से फल-फूल रही हैं।

सैंटर्म्स हस्तनिर्मित शिल्प की गर्मी को रोजमर्रा की जिंदगी में लाता है। लकड़ी की सजावट और सुगंधित मोमबत्तियों से लेकर टेराकोटा दीये, संगमरमर की मूर्तियों और हथकरघा साड़ियों तक, प्रत्येक उत्पाद पर्याप्त निगरानी, परंपरा और सुंदरता की सोच को दर्शाता है।

दस्तकार क्राफ्ट बेंत और बांस उत्पादों के माध्यम से 500 से अधिक कारीगरों के कौशल को आधुनिक घरों में ले जाता है। वे उच्च-गुणवत्ता, निर्यात-योग्य उत्पाद बनाते हैं, जो समकालीन घरों में सहजता से फिट होते हुए भारत की विरासत का जश्न मनाते हैं।

विलेज क्राफ्ट हथकरघा परंपराओं की सादगी और ताकत का जश्न मनाता है। इसके सूती तौलिए, गमछा और बेडशीट कुशल कारीगरों द्वारा देखभाल के साथ बनाए जाते हैं, जो रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को आराम, गुणवत्ता और विरासत में निहित उत्पादों में बदल देते हैं।

ये कहानियां हस्तनिर्मित उत्पादों को एक मानवीय चेहरा देती हैं, जो दिखाती हैं कि डिजिटल बाजार में परंपरा, कौशल और आजीविका एक साथ कैसे आती हैं।

भारत की विरासत को डिजिटल भविष्य में ले जाना

इंडियाहैंडमेड डिजिटल इंडिया की भावना को दर्शाता है, शिल्प को आजीविका के स्रोत और भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिबिंब दोनों के रूप में मान्यता देता है। 60 लाख से अधिक कारीगरों को शामिल करने की योजना के साथ, यह मंच आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। यह कारीगरों और बुनकरों को व्यापक बाजार पहुंच प्रदान करता है और खरीदारों को विश्वास और आसानी से हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज करने में मदद करता है।

प्रत्येक हस्तनिर्मित उत्पाद के साथ, यह सुनिश्चित करता है कि इंडियाहैंडमेड विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए आजीविका और अवसर को प्रेरित करती रहे।

हमें हक नहीं किसी के विश्वास की हत्या करने का

पूनम भाटिया

रिश्ते केवल खून से नहीं बनते, विश्वास से बनते हैं। और जब विश्वास ही हत्या का हथियार बन जाए, तब केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, इंसानियत भी घायल होती है। पिछले कुछ समय में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं जिन्होंने समाज को भीतर तक झकझोर दिया। हाल के सिया-केतन प्रकरण में जाँच एजेंसियाँ प्रेम, सगाई और कथित साजिश के पहलुओं की जाँच कर रही हैं। इससे पहले सोनम-राजा रघुवंशी हत्याकांड लंबे समय तक चर्चा में रहा। उससे पहले श्रद्धा वालकर हत्याकांड ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जिसमें लिव-इन पार्टनर पर हत्या और शव के टुकड़े करने का आरोप लगा। दिल्ली का चर्चित ÷नीला ड्रम÷ मामला भी लोगों के मन में आज तक भय पैदा करता है। इन सभी मामलों की परिस्थितियाँ अलग-अलग हैं और अंतिम न्यायिक निर्णय अपनी प्रक्रिया से होगा, लेकिन एक बात समान दिखाई देती है और वह है-भरोसे का टूटना।

विश्वास की परिभाषा सरल है-किसी पर निर्भर होना और उसके साथ सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखना। लेकिन जब वही भरोसा धोखे में बदल जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं टूटता; उसके साथ परिवार, सामाजिक रिश्ते और मानवीय संवेदनाएँ भी आहत होती हैं। सिया-केतन जैसे मामलों में व्यक्तिगत संबंधों के साथ आर्थिक और भावनात्मक जटिलताएँ भी सामने आती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि किन चेतावनी संकेतों को अनदेखा किया गया और किसने किसके विश्वास का लाभ उठाया। यह केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि उस भरोसे की हत्या है जिसके सहारे कोई अपना भविष्य किसी दूसरे के साथ जोड़ता है। जब जीवन का सबसे सुरक्षित रिश्ता ही सबसे बड़ा खतरा बन जाए, तो समाज को आत्ममंथन करना ही होगा।

अधिकांश विश्वासघात निजी और पारिवारिक रिश्तों में होते हैं। प्रेम, सहजीवन और वैवाहिक संबंध सुरक्षा का आधार होने चाहिए, लेकिन जब इन्हीं का दुरुपयोग होता है तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं, स्वीकार है। विवाह का अर्थ बंधन नहीं, साझेदारी है। यदि किसी रिश्ते में प्रेम, सम्मान और विश्वास समाप्त हो जाए, तो अलग होने के लिए कानून, संवाद, परिवार और समाज, सभी रास्ते उपलब्ध हैं। किसी का जीवन छीन लेने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता।

आज सोशल मीडिया पर अपराधों की खबरें सनसनी बनकर फैलती हैं। कई बार लोग अपराधी की चालाकी या उसकी योजना पर ऐसे चर्चा करते हैं, मानो वह कोई रोमांचक कहानी हो। यह प्रवृत्ति भी चिंताजनक है। हर ऐसी खबर के पीछे किसी माँ का उजड़ा आँगन, किसी पिता का टूटा सहारा और किसी परिवार का आजीवन दर्द छिपा होता है। ऐसे अपराध केवल कानूनी रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि समाज में भय, संदेह और असुरक्षा भी बढ़ाते हैं।

विश्वासघात केवल हत्या तक सीमित नहीं है। झूठ बोलना, भावनाओं से खेलना, आर्थिक शोषण करना, दोस्ती या प्रेम के नाम पर धोखा देना, ये उसी मानसिकता के अलग-अलग रूप हैं। जब छोटे छल को सामान्य मान लिया जाता है, तभी बड़े अपराधों की जमीन तैयार होती है।

इस समस्या का समाधान केवल कठोर कानून नहीं हैं। सामाजिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुँच, रिश्तों में पारदर्शिता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध प्रभावी सहायता तंत्र भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षा-प्रणाली को बच्चों में ईमानदारी, संवेदनशीलता और संवाद का संस्कार विकसित करना होगा। मीडिया को भी जाँच प्रक्रिया और पीड़ितों की गरिमा का सम्मान करते हुए जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। हमें अपने बच्चों को केवल सफल होना नहीं, बल्कि विश्वसनीय होना भी सिखाना होगा। रिश्तों में ईमानदारी, असहमति में संवाद और अलगाव में गरिमा ही सभ्य समाज की पहचान है। रिश्ता टूटने का दर्द समय के साथ कम हो सकता है, लेकिन जब इंसान का इंसान पर से भरोसा टूट जाता है, तब उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी हार यही है।

जीवन दर्शन

जहां बुद्धि, वहां सिद्धि

किसी भी शुभ कार्य का शुभारंभ श्रीगणेश के नाम से होता है। बच्चों को विद्या अध्ययन के लिए स्कूल भेजते समय उनकी स्लेट पर सबसे पहले 'श्रीगणेशाय नमः' ही लिखा जाता है। विद्या के देव के प्रति श्रद्धा और विनम्रता रखकर विद्या पाई जा सकती है। विद्या से हमें ज्ञान और बुद्धि मिलती है। हमारे जीवन की आधारशिला विद्या ही है। विद्या जीवन की पहली संपत्ति है। विद्या का आधार बुद्धि है, जो दिमाग में रहती है। गणेश बुद्धि के भी देवता हैं। मनुष्य में बुद्धि ही प्रधान है। शक्ति तो पशुओं में भी होती है लेकिन मनुष्य को पशुओं से ऊपर रखने वाली बुद्धि ही है। बुद्धि की रक्षा के लिए शक्ति जरुरी है, लेकिन शक्ति को बनाए रखने के लिए बुद्धि जरुरी है। गणेशजी के सिर पर हाथी का मस्तक बुद्धि का प्रतीक है। बुद्धि से हमें अच्छे विचार मिलते हैं। बुद्धि ही हमें भलाई और बुराई में फर्क बताती है। गणेश के शरीर में हाथी का सिर बुद्धि, कर्म और शक्ति का प्रतीक है। सिर से जुड़ी सूंड बताती है कि बुद्धि, कर्म और शक्ति में तालमेल होना चाहिए। इसी सामंजस्य से ही हमें सफलता मिलती है। यदि आपको भी बुद्धि के बल पर सफलता पानी हो लेकिन सफलता की राह में रुकावट आ रही है तो उसे गणेश पूजन से दूर किया जा सकता है।

डॉयलॉग बॉक्स

सफलता किस्मत से नहीं, निरंतर मेहनत, सही सोच और अटूट विश्वास से मिलती है। जो हर दिन सीखता और आगे बढ़ता है, वही जीवन में सच्ची ऊँचाइयाँ प्राप्त करता है।

संवाद

आम पाठकों के लिए मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अभिव्यक्ति का पन्ना आरक्षित है। आपकी पाती, समसमायिक घटनाओं पर विचार, लेख, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मसलों पर सुधि पाठकों का नजरिया पेश करने के लिए इसे रखा गया है।

लेखक केवल महानगरों नहीं बसते हैं। बस्तर भूमि में भी माटी से जुड़े विद्वानों की कमी नहीं है। हम चाहते हैं सभी को इस पन्ने में स्थान मिले और विचारों का आदान-प्रदान हो। यह संवाद आम पाठक और अखबार के बीच कायम रहे। विचारों से बस्तर में बदलाव आए, इन्हीं कामनाओं के साथ अभिव्यक्ति का यह अंक...

-संपादक

हमारा पता : संपादक
दैनिक बस्तर इम्पेक्ट, सिटी आफिस -
एच-163/A, मां दंतेश्वरी नगर, आवराभाटा दंतेवाड़ा, पिन -494449
फोन नंबर : 07856-252024
email - editor@bastarimpact.0rg

डॉ. मुखर्जी और आज की भाजपा

भारतीय जनता पार्टी का हिंदुत्व, उनका राष्ट्रवाद वगैरह एक अजीब रसायन है। उसमें शुद्ध और पवित्र जैसा कुछ भी नहीं है। हिंदुत्व के नाम पर अयोध्या पर कब्जा किया और सीधे श्रीराम मंदिर में डाका डाल दिया। इस डवैसती मामले में चंपत राय को दूर किया, पर चंपत की जगह जिन्हें लाया गया वो बजरंग लाल बागड़ा हैं। उनके पहले के कारनामे देखे जाएं तो चंपत ही अच्छे थे, ऐसा ही कहना पड़ेगा। ऐसा क्यों? इसका कारण भाजपा की रचना में ही घोटाला है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भाजपा ने 6 तारीख को मनाई। (डॉ. मुखर्जी ही भाजपा के मूल पिताश्री हैं।) प्रधानमंत्री मोदी से लेकर कई बड़े नेताओं ने डॉ. मुखर्जी पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी को अखंड भारत के प्रणेता कहा है। मुखर्जी राष्ट्रवादी (प्रखर), महान शिक्षाविद, सशक्त और आत्मनिर्भर भारतराष्ट्र के निर्माण में लगे उनके जीवन के बारे में मोदी ने जनता को जानकारी दी। डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रकार्य की महिमा बताने वाला लेख प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा और प्रकाशित करवाया। उस लेख में डॉ. मुखर्जी को भारत के भाग्यविधाता वगैरह कहा गया है। यह बनावटीपन है। देश के असली भाग्यविधाताओं की जयंती-मृत्यु तिथि पर श्रद्धांजलि के शब्दों को कंजूसी से इस्तेमाल करना और देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में 'उल्टी' भूमिका निभाने वालों पर फूल बरसाना। डॉ. मुखर्जी के मामले में भी यही दिख रहा है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक हैं। उसी जनसंघ का आज 'भाजपा' बन गया है। मतलब भाजपा के मूल संस्थापक डॉ. मुखर्जी ही हैं। मुखर्जी का भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान शून्य है। फिर भी पंडित नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में उन्हें जगह मिली। विचारधारा अलग हो, फिर भी राष्ट्र निर्माण के लिए सबकी जरूरत है, ऐसा पंडित नेहरू का मानना था। डॉ. मुखर्जी का राष्ट्र के प्रति कर्तव्य क्या था? इस विषय पर हाल के दिनों में कई दबे हुए मामले सामने आए हैं। डॉ. मुखर्जी असल में कौन थे? यह उजागर हुआ है।

'भाजपा' का अतिवादी हिंदुत्ववाद और राष्ट्रवाद की बदहजमी का कारण भी यही है। महात्मा गांधी की हत्या हुई तब डॉ. मुखर्जी जैसे लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पाकिस्तान बनने का ठीकरा इन लोगों ने गांधी पर फोड़ दिया, पर खुद ये स्वतंत्रता आंदोलन में कहीं भी नहीं थे। इसलिए देश का विभाजन रोकने में भी ये कुछ नहीं कर सके। गांधी की हत्या ईश्वरीय वरदान है, ऐसा इन लोगों ने मान लिया और गांधी हत्या के आरोपियों के बचाव के लिए चंदा इकट्ठा करने की मुहिम ये चलाने लगे। तब गृहमंत्री सरदार पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जमकर फटकार लगाई! गांधी के हत्यारों की मदद करना अमानवीय, विकृत और देशद्रोह जैसा कृत्य है, ऐसा सरदार पटेल ने डॉ. मुखर्जी को सुनाया। डॉ. मुखर्जी बंगाल की सुहरावर्दी सरकार में भी शामिल थे। वो लगभग-लगभग मुस्लिम लीग की ही सरकार थी। स्वतंत्रता, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद जैसे विचारों से मुखर्जी का दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था। डॉ. मुखर्जी कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलगुरु थे। विश्वविद्यालय में घुसते ही अंग्रेजों के 'यूनियन जैक' को सल्यूट मारने की सख्ती मुखर्जी ने विद्यार्थियों पर की थी और ऐसा आदेश उन्होंने जारी किया था। एक छात्र ने 'यूनियन जैक' को 'सल्यूट' करने से मना कर दिया, तब उसे विश्वविद्यालय से निकाल दिया और ब्रिटिश सरकार से उस छात्र की शिकायत की। महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता की लड़ाई को आखिरी मोड़ पर पहुंचाया और 'चले जाओ' का नारा दिया। लोगों को सड़क पर उतरने का आह्वान किया। डॉ. मुखर्जी ने 'अंग्रेज चले जाओ' आंदोलन का विरोध किया। इतना ही नहीं, बल्कि 'चले जाओ' आंदोलन को बल प्रयोग करके कुचल दो, ऐसा सुझाव अंग्रेज सरकार को दिया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस जब आजाद हिंद सेना को लेकर भारत की तरफ बढ़ने लगे, तब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेताजी का विरोध किया। आजाद हिंद सेना और नेताजी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करो, ऐसा सुझाव उन्होंने अंग्रेज सरकार को दिया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से डॉ. मुखर्जी ने किनारा कर लिया और मौका मिलने पर स्वतंत्रता सेनानियों का विरोध करते रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और नेताजी के फॉरवर्ड ब्लॉक पार्टी के बीच संघर्ष इतना बढ़ गया कि मुखर्जी जब बंगाल में सभा करते थे तब नेताजी के फॉरवर्ड ब्लॉक के कार्यकर्ता उनकी सभा तितर-बितर कर देते थे। उन पर पत्थर फेंकते थे। आगे चलकर हिंदुत्ववादी विचारों वाले जनसंघ की उन्होंने स्थापना की। वीर सावरकर की हिंदू महासभा का विरोध करने के लिए ही मुखर्जी ने यह सब किया, ऐसा कहा जाता है। वीर सावरकर हिंदुत्व की वकालत कर रहे थे तब मुखर्जी ने जनसंघ क्यों बनाया? उसके पीछे कोई अलग शक्ति काम कर रही थी। 370 के विरोध में मुखर्जी ने कश्मीर जाकर बलिदान दिया, ऐसा बताया गया। जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में खुद पर छोटी-सी खरोंच तक नहीं आने दी, उन्होंने अखंड हिंदुस्थान के लिए बलिदान दिया, ये दंतकथा लगती है। सरदार वल्लभभाई पटेल जब भारतीय संविधान सभा में '370' पास करवा रहे थे, तब डॉ. मुखर्जी ने उसके विरोध में एक शब्द भी नहीं कहा। डॉ. आंबेडकर संसद में हिंदू कोड बिल पास करवाने की कोशिश कर रहे थे। तब डॉ. मुखर्जी ने हिंदू कोड बिल का विरोध तो किया ही, साथ में डॉ. आंबेडकर का भी अपमान किया। इसलिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अखंड हिंदुस्थान का प्रणेता वगैरह ठहराना व्यर्थ है। मुखर्जी की जयंती के नाम पर केंद्र सरकार के खजाने से करोड़ों रुपए प्रचार पर खर्च होते हैं, इसका क्या औचित्य है? राष्ट्र निर्माण, उससे पहले स्वतंत्रता संग्राम एवं किसी भी आंदोलन में उनके सहभागी होने के सबूत नहीं हैं। मुखर्जी को मानने वाला समाज राममंदिर ट्रस्ट का काम देखता है और उन्होंने प्रभु श्रीराम के मंदिर पर सबसे बड़ा डाका डाला है। इन्हीं लोगों ने हिंदुत्ववादी शिवसेना के टुकड़े किए और उसके लिए संविधान का दुरुपयोग किया। यही वो लोग हैं, जो पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों को सिर्फ खोखली धमकी देते रहे और 'ऑपरेशन सिंदूर' अधूरा छोड़कर गायब हो गए। प्रे. ट्रंप के दबाव में झट से पीछे हट गए। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को मानने वालों से देशभक्ति और शौर्य की उम्मीद करना बेकार है। उनके कारण देश, हिंदुत्व और राम असुरक्षित हो गए हैं, यही सच है!

न्यूज आस-पास...

गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया गया

इम्पेक्ट न्यूज. धमतरी

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली में गुरु पूजन ,सरस्वती पूजन का कार्य बड़े ही धूमधाम से किया गया ।गुरु वंदना, सरस्वती वंदना के पश्चात गुरु महिमा का वर्णन व्याख्याता डॉ. गणेश प्रसाद साहू द्वारा किया गया कि अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला ही सच्चा गुरु होता है बिना गुरु के हम ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते । भोथली विद्यालय परिसर को हरा भरा बनाने के लिए ग्राम पंचायत व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा विद्यालय परिसर में छायादार फलदार फूलदार पौधों का रोपण सरपंच शिवरात्रि ध्रुव ,प्राचार्य एल .के. उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया तथा विद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों व स्काउट गाइड, इको क्लब के सदस्यों के द्वारा कक्षा व अवांछित कटीले झाड़ियां की सफाई भी की गई। इस अवसर पर कुबेर साहू, गिरिराज ,राकेश साहू, रामशरण मिश्रा, डॉ मंजूषा साहू एल. एन. साहू ,एल. एन. शांडिल्य , धनंजय सोनकर ,रेखा देहारी, रेणुका ध्रुव, दीप्ति शुक्ला, स्वाती सोरी, दुर्गा साहू, किशोरी कश्यप, लखन्तीन, गोपेश साहू, गोविंद सिन्हा ,डोमन ध्रुव, विनोद ध्रुव, महेंद्र साहू, उमाकांत साहू, आदि उपस्थित थे।

विभागीय परीक्षा 3 से 10 अगस्त तक आयोजित

इम्पेक्ट न्यूज. दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन, गृह-सी विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ), मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार विभागीय परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। विभागीय परीक्षा के लिए भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), दुर्ग को परीक्षा केंद्र नामांकित किया गया है।
आयुक्त दुर्ग संभाग द्वारा विभागीय परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए परीक्षा अवधि के दौरान आवश्यकतानुसार चार कक्ष आरक्षित रखने तथा परीक्षार्थियों के बैठने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। पूर्व वर्षों में भी विभागीय परीक्षाओं के सफल संचालन में बीआईटी प्रबंधन का सहयोग प्राप्त हुआ है। परीक्षा संचालन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर इसकी जानकारी संभाग आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने कहा गया है।

नवनियुक्त एल्डरमेन ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

इम्पेक्ट न्यूज. कवर्धा

नगर पालिका परिषद कवर्धा में आज मनोनित पार्षदगणों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां सभी मनोनीत पार्षद (एल्डरमेन) ने कवर्धा अनुविभागीय अधिकारी की उपस्थिति में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने जनहित को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। जनप्रतिनिधियों ने नगर के विकास, सुशासन और जनसेवा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने बताया कि नगर पालिका परिषद कवर्धा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मनोनीत पार्षदगणों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय माहौल में नगर पालिका परिषद कवर्धा में आयोजित किया गया। समारोह में नवनियुक्त एल्डरमैनों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर सुशासन और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जनप्रतिनिधियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

पात्र शिक्षकों को 15 अगस्त तक पदोन्नति देने की मांग

शिक्षक प्रमोशन मामले में डीपीआई के निर्देश का सख्ती से पालन हो - टीचर्स एसोसिएशन

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने बस्तर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौप डीपीआई के निर्देशानुसार शिक्षकों के प्रमोशन की प्रक्रिया को पूर्ण करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव तथा जिलाध्यक्ष डॉ लुदरसन कश्यप के नेतृत्व में सीजीटीए का प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को डीईओ बलिराम बघेल से भेंट कर शिक्षकों के प्रमोशन के मुद्दे पर चर्चा की। चर्चा में बताया गया कि डीपीआई के द्वारा सभी संभाग के जेडी और जिलों के डीईओ को 15 अगस्त तक पदोन्नति पूर्ण किये जाने के आदेश दिए गये है।
चर्चा में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा विभाग में पदोन्नति न होने से सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता संवर्ग के योग्यता एवं अहर्ताधारी कर्मचारी मानसिक और आर्थिक रुप से परेशान हैं, इसीलिए छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने इस आशय का मांग पत्र शिक्षा मंत्री, सचिव स्कूल शिक्षा विभाग एवं संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ को सौंपा है। उन्होने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक से शिक्षक एवं प्राथमिक शाला प्रधान पाठक, शिक्षक से व्याख्याता एवं माध्यमिक शाला प्रधान पाठक तथा व्याख्याता से प्राचार्य के पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया लंबित है। उक्त पदोन्नति के अभाव में प्रदेश के हजारों योग्यता एवं अहर्ताधारी सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता संवर्ग के कर्मचारी आर्थिक एवं मानसिक रूप से अत्यधिक परेशान हैं साथ ही इससे शालाओं में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।
ज्ञात हो कि इस संदर्भ में संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा पूर्व में दिनांक 30.06.2026 तक समस्त पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देश जारी किए गए थे, तत्पश्चात पुनः दिनांक 15.08.2026 तक प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है परंतु खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि आज पर्यंत प्रदेश भर के नियोक्ता जिला शिक्षा अधिकारी, संभागीय संयुक्त संचालक एवं संचालनालय स्तर पर न तो अंतिम वरिष्ठता सूची प्रकाशित की गई है और न ही पदोन्नति हेतु कोई समय-सारिणी जारी की गई है।
एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मांग किया है कि स्कूल शिक्षा विभाग के वर्तमान प्रचलित नियमों के अनुसार उपरोक्त सभी संवर्गों में दिनांक 15.08.2026 तक

लोक शिक्षण संचालनालय
छत्तीसगढ़
(प्रथम तल, सी खण्ड, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर)
(दूरभाष क्रमांक 0771-2331385 ई.मेल. cg.dpi.dir@gmail.com)

क्र./स्था.2/टी संवर्ग/1/491743/2026 अटल नगर दिनांक 30-06-2026
प्रति,
1. समस्त संयुक्त संचालक
लोक शिक्षा संभाग छ.ग.।
2. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी
छत्तीसगढ़।

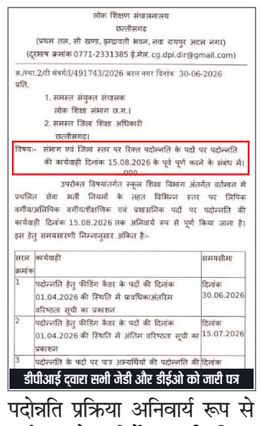

विषयः- संभाग एवं जिला स्तर पर रिक्त पदोन्नति के पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही दिनांक 15.08.2026 के पूर्व पूर्ण करने के संबंध में।
---000---
उपरोक्त विषयांतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सेवा भर्ती नियमों के तहत विभिन्न स्तर पर लिपिक वर्गीय/अलिपिक वर्गीय/शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही दिनांक 15.08.2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना है। इस हेतु समयसारणी निम्नानुसार अंकित हैः-

सरल क्रमांक	कार्यवाही	समयसीमा
1	पदोन्नति हेतु फीडिंग कैडर के पदों की दिनांक 01.04.2026 की स्थिति में प्रावधिक/अंतरिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन	दिनांक 30.06.2026
2	पदोन्नति हेतु फीडिंग कैडर के पदों की दिनांक 01.04.2026 की स्थिति में अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन	दिनांक 15.07.2026
3	पदोन्नति के पदों पर पात्र अभ्यर्थियों की पदोन्नति की	दिनांक

डीपीआई द्वारा सभी जेडी और डीईओ को जारी पत्र

पदोन्नति प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने निर्देश जारी किया जावे। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष मो ताहिर शेख, प्रदेश आईटी सेल प्रतिनिधि व मिडिया प्रभारी नीलमणी साहू, जिला संयुक्त सचिव डॉ तुलादास मानिकपुरी, राम प्रसाद ठाकुर, मनीष अहीर, ब्लाक अध्यक्ष मनीष ठाकुर, सतीश डहरिया, जगदीश यादव, भुनेश नेताम सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

250 छात्राओं को यातायात, महिला और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

डीसीपी यातायात डॉ. अर्चना झा के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत कालीबाड़ी स्थित लक्ष्मी नारायण कन्या विद्यालय में यातायात, महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 8वीं से 12वीं तक की करीब 250 छात्राओं, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना रहा। प्राचार्या मनीषा गहोई की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक स्नेहिल साहू ने साइबर और महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को ऑनलाइन ठगी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग और महिलाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी दी। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन, साइबर क्राइम पोर्टल एवं हेल्पलाइन, पिंक पेट्रोल, पुलिस कंट्रोल रूम, 112 और अभिव्यक्ति ऐप के बारे में भी बताया गया।
एसीपी ट्रैफिक सीमा अहिरवार ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि संविधान नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ जिम्मेदारियों का पालन करेंगे, तभी सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्राओं और शिक्षकों से अपील की कि स्कूल आने-जाने के लिए क्यूआर कोड युक्त ऑटो या ई-रिक्शा का ही उपयोग करें। वाहन में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर उसकी जानकारी अभिभावकों के साथ साझा करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं को क्विक रिस्पॉन्स टीम, आईटीएमएस और ई-चालान प्रणाली सहित आधुनिक यातायात प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी भी दी गई।

गांजा तस्करी मामले में दो अंतरराज्यीय तस्करों को 10-10 साल की सजा

एक-एक लाख का जुर्माना भी लगाया गया

इम्पेक्ट न्यूज. बलौदाबाजार

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की मजबूत विवेचना और प्रभावी साक्ष्य संकलन के चलते अवैध गांजा तस्करी के मामले में दो अंतरराज्यीय तस्करों को न्यायालय ने 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक-एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। संगीता नवीन तिवारी की अदालत ने 25 जुलाई 2026 को विशेष प्रकरण क्रमांक 17/2024 में फैसला सुनाते हुए दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया।
पुलिस के अनुसार, 7 अक्टूबर 2024 को भाटापारा स्थित रेलवे मालधक्का, सिद्धबाबा शराब भट्टी रोड के पास एक पुरुष और महिला द्वारा पिट्ठू बैग में गांजा रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाशने की सूचना मिली थी। तत्कालीन विवेचना अधिकारी निरीक्षक हेमंत पटेल और उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने पुलिस टीम के साथ घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।
कार्रवाई के दौरान आरोपी शिवानंद के बैग से 12.460 किलोग्राम तथा सह-आरोपी पूजा पटेल के कब्जे से 7.590 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। कुल 20.050 किलोग्राम गांजा जब्त कर थाना भाटापारा शहर में अपराध क्रमांक 466/2024 के तहत धारा 20(ख)(द्वि)(क) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों, विधिवत जब्ती पंचनामा, इन्वेंट्री और गवाहों के बयान के आधार पर समयसीमा में चार्जशीट न्यायालय में प्रस्तुत की।

बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

रायपुर। अभनपुर विकासखंड के गोबरा नवापारा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई थी। सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा तत्काल राहत कार्य शुरू किया गया।
प्रशासनिक अमले ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इस दौरान तहसीलदार शेखर मंडई एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों के लिए राशन सामग्री की तत्काल व्यवस्था की गई। प्रशासन द्वारा सभी प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से ठहराने के साथ ही पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान नदी-नालों के पास न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें एवं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की, जिसमें बस्तर पंडुम 2026, परगना मांझी और बस्तर के चलाकी के विजेता और पद्म पुरस्कार विजेता शामिल थे।

चोरी के जेवरात पर लोन लेने वाले तीन लोग गिरफ्तार

शंकरगढ़ में 4 लाख की चोरी का खुलासा

इम्पेक्ट न्यूज. बलरामपुर

जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर करीब 4 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और सीसीटीवी कैमरे चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों में चोरी के जेवरात के बदले गोल्ड लोन लेने वाली महिला भी शामिल है।
पुलिस के अनुसार, बचवार निवासी अर्पण कुमार उरांव ने थाना शंकरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 31 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे से शाम 4:30 बजे के बीच अज्ञात चोर उसके घर का दरवाजा और अलमारी का लॉक तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, 3,000 नकद और दो सीसीटीवी कैमरे चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 4 लाख बताई गई थी। रिपोर्ट के आधार पर शंकरगढ़ पुलिस ने अपराध क्रमांक 01/2026 के तहत धारा 305, 331(3), 3(5) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को थाना गांधीनगर, सरगुजा के एक अन्य प्रकरण में गिरफ्तार आनंद कुमार पन्ना से महत्वपूर्ण जानकारी मिली। पूछताछ में आनंद ने शंकरगढ़ में अपने साथी आकाश गाईन के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपी आकाश गाईन की तलाश शुरू की और उसे अंबिकापुर से हिरासत में लिया। पूछताछ में आकाश ने पुलिस को बताया कि चोरी के सोने-चांदी के जेवरात उसकी मां नीलिमा गाईन के माध्यम से अंबिकापुर स्थित मणप्पुरम बैंक में जमा कराए गए थे। इन जेवरात के बदले करीब ?3.80 लाख का गोल्ड लोन लिया गया था। पुलिस जांच में सोने का हार, चैन, झुमका और मंगलसूत्र सहित अन्य आभूषण बैंक में जमा कर गोल्ड लोन लेने की पुष्टि हुई। पुलिस के मुताबिक, गोल्ड लोन की रकम नीलिमा के पास थी, जबकि आनंद पन्ना की बहन मंजुषा पन्ना को खाते के माध्यम से 20 हजार प्राप्त हुए थे। जांच के दौरान आरोपियों के खिलाफपर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने आकाश गाईन (23), नीलिमा गाईन (38) और मंजुषा पन्ना (31) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मामले में पूर्व में आनंद कुमार पन्ना को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है।

15 दिवस के भीतर दावा प्रस्तुत करने की सूचना

रायपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली की अनुशंसा पर राज्य शासन द्वारा मृतक संजय यादव (सेन), निवासी नंदी चौक, लालपुर, थाना टिकरापारा, रायपुर के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 7 लाख 50 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत की गई है।
मृतक संजय यादव (सेन) एवं उनकी पत्नी दोनों के निधन हो जाने के कारण उनके वैधानिक वारिसों को सूचित किया गया है कि वे स्वयं को मृतक का वैध वारिस सिद्ध करने वाले आवश्यक प्रमाण-पत्रों सहित इस समाचार के जारी होने की तिथि से 15 दिवस के भीतर संबंधित कार्यालय में उपस्थित होकर स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि प्राप्त करें, अन्यथा स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि के संबंध में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

भूमि हड़पने के लिए धमकी देने वाला प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार

इम्पेक्ट न्यूज. दुर्ग

भूमि हड़पने के उद्देश्य से एक परिवार को धमकाकर भय का माहौल बनाने के मामले में दुर्ग पुलिस ने एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना की जा रही है।
पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को प्रार्थी प्रविन्दर सिंह चाने ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि प्रॉपर्टी डीलर लाखन सिंह उनकी पत्नी और बच्चों के बीच भय का वातावरण बनाकर उनकी भूमि हड़पने का प्रयास कर रहा है। शिकायत की जांच के बाद संबंधित थाने में अपराध क्रमांक 533/2026 दर्ज कर धारा 296, 351(2) एवं 308(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश कर 28 जुलाई 2026 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है।
पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करता है। उसने कथित रूप से प्रार्थी के परिवार, विशेषकर उसकी पत्नी और बच्चों को धमकाकर भय एवं दबाव का माहौल बनाया, ताकि भूमि पर अवैध कब्जा किया जा सके।

स्वच्छता जनजागरूकता रैली निकली

इम्पेक्ट न्यूज. रायपुर

नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत जोन क्रमांक 5, 7 और 8 क्षेत्रों में स्वच्छता जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ रायपुर के निर्माण का संदेश दिया गया। इस दौरान नागरिकों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया।
नगर निगम महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर और निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान में संबंधित जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। जोन क्रमांक 5 में जोन अध्यक्ष अंबर अग्रवाल, जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गदर्शन एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा की उपस्थिति में रैली निकाली गई। इसी तरह जोन क्रमांक 7 में जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणीग्राही के मार्गदर्शन एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में तथा जोन क्रमांक 8 में जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन की मौजूदगी में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। रैली के दौरान नागरिकों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई और जलभराव की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया।

पुराने विवाद में युवक की हत्या : फरार आरोपी गिरफ्तार

हत्या की धारा जोड़ी गई

इम्पेक्ट न्यूज. भिलाई

स्मृतिनगर चौकी क्षेत्र में पुराने विवाद के चलते युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने प्रकरण में हत्या की धारा जोड़ते हुए फरार आरोपी को मध्यप्रदेश के जबलपुर से हिरासत में ले लिया है।
पुलिस के अनुसार, 25 जुलाई 2026 की शाम करीब 6 बजे आर्य नगर, कोहका स्थित पानी टंकी के पास पुराने विवाद को लेकर आरोपी श्रेयांश राजमन उर्फ बाबू भाई (23 वर्ष) ने मुत्जरर कुमार सोनवानी (27 वर्ष) निवासी हाउसिंग बोर्ड, कोहका (मूल निवासी बागबहरा, जिला महासमुंद) पर गाड़ी का चक्का खोलने वाले पाना (व्हील स्पैनर) से सिर पर हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल मुत्जरर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

घटना के बाद सुपेला थाना में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 1056/2026 के तहत धारा 296, 351(3) एवं 115(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। पुलिस आरोपी की लगातार तलाश कर रही थी।
इसी दौरान 29 जुलाई 2026 की रात करीब 8 बजे उपचार के दौरान मुत्जरर कुमार सोनवानी की मौत हो गई। घायल की मृत्यु के बाद पुलिस ने मामले में धारा 103 (हत्या) बीएनएस जोड़ दी।
फरार आरोपी श्रेयांश राजमन उर्फ बाबू भाई को पुलिस ने जबलपुर (मध्यप्रदेश) से अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर। गोबरा नवापारा में बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, राशन सामग्री का वितरण किया गया।

बॉटम न्यूज...

बाघ की खाल और पैंगोलिन के शल्क के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

इम्पेक्ट न्यूज. सूरजपुर

जिले में वन्यजीव तस्करी के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग और वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) सेंट्रल रीजन, भोपाल की संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को बाघ की खाल और पैंगोलिन (साल्की चींटीखोर) के शल्क के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।
वन विभाग के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को डब्ल्यूसीसीबी सेंट्रल रीजन, भोपाल से सूचना मिली थी कि सूरजपुर वनमंडल क्षेत्र में वन्यजीवों की खाल और अन्य अवशेषों की तस्करी होने की संभावना है। सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी सूरजपुर ने वन विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यूसीसीबी के सदस्यों की दो संयुक्त टीमें गठित कर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। एक टीम डब्ल्यूसीसीबी के साथ तथा दूसरी टीम सूरजपुर और कुदरगढ़ वन परिक्षेत्र की ओर रवाना हुई। मुखबिर की सूचना के आधार पर ओड़गी-भैयाथान मार्ग पर ग्राम वैजनाथपुर के पास धरसेड़ी रोड में घेराबंदी की गई। इस दौरान तीन संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी लेने पर उनके पास से बाघ की खाल तथा पैंगोलिन के शल्क बरामद हुए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टिकेश्वर प्रसाद राजवाड़े (38 वर्ष), निवासी धरसेड़ी (नावापारा), थाना ओड़गी, भुखनलाल (56 वर्ष), निवासी भंवरखोह (आमापानी), थाना ओड़गी तथा गरीबलाल (58 वर्ष), निवासी भंवरखोह (आमापानी), थाना ओड़गी के रूप में हुई है। वन विभाग ने आरोपियों के कब्जे से बरामद बाघ की खाल, पैंगोलिन के शल्क तथा होंडा शाइन मोटरसाइकिल को जब्त कर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 809/24 दिनांक 28 जुलाई 2026 को दर्ज किया है। जब्त वन्यजीव अवशेषों को नियमानुसार सील कर सुरक्षित रखा गया है। कार्रवाई में सूरजपुर, कुदरगढ़ और अंबिकापुर वन परिक्षेत्र की टीमों के साथ डब्ल्यूसीसीबी के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। वन विभाग का कहना है कि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

राष्ट्रपति भवन में गूंजा बस्तर का गौरव, मांझी-चालकी बने विशेष अतिथि ; राष्ट्रपति ने स्वयं परोसा भोजन

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन में गुरुवार को बस्तर की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक नेतृत्व का ऐतिहासिक सम्मान देखने को मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकारों, मांझी-चालकी, परगना मांझी, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रपति भवन में विशेष स्वागत किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया और स्वयं अतिथियों को भोजन परोसकर आत्मीय सम्मान दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककला, मांझी-चालकी व्यवस्था और बस्तर पंडुम के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत भारत की अमूल्य धरोहर है, जिसका संरक्षण पूरे देश का दायित्व है। उन्होंने कहा कि बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा शिक्षा, सड़क, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है। राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर भविष्य में बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा भी जताई। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा से उनका विशेष आत्मीय संबंध रहा है और मांझी उनके परिवार का भी हिस्सा रहे हैं, क्योंकि उनके पिता भी मांझी थे। राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर पंडुम ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपराओं और लोककलाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देते हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि उन्होंने अनेक बार राष्ट्रपति भवन का दौरा किया है, लेकिन पहली बार बस्तर की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल को एक साथ देखा है। उन्होंने इसे भारत की सांस्कृतिक विविधता और जनजातीय गौरव का अद्भुत प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि आज बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच पर सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों ने जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाई है और स्थानीय कलाकारों को नई पहचान मिली है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की लगभग 300 वर्ष पुरानी लोकगाथा 'झिटकू-मिटकी' पर आधारित विशेष कलाकृति स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट की। यह कलाकृति प्रेम, त्याग, लोकआस्था और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक मानी जाती है। लोकमान्यता के अनुसार झिटकू और मिटकी ने अकाल के समय अपने समर्पण और त्याग से ऐसी मिसाल कायम की कि आज भी उन्हें बस्तर में 'खोड़िया राजा' और 'गप्पा देई' के रूप में श्रद्धापूर्वक पूजा जाता है।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, विशेष सचिव रजत बंसल, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, बस्तर संभाग के आयुक्त डोमन सिंह, संस्कृति एवं राजभाषा विभाग के संचालक संजय कन्नौजे सहित अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति भवन का भ्रमण भी किया और भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक विरासत से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त की।

नई दिल्ली के सिविक सेंटर में दिल्ली नगर निगम की बैठक के दौरान, आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने केंद्र सरकार की ई-20 इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

सोनम वांगचुक ने की रेलवे की सराहना

नई दिल्ली। सामाजिक एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश में भारतीय रेलवे की प्रशंसा करते हुए शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने हाल ही में संसद में लाए गए परीक्षा सुधार विधेयक का स्वागत किया, लेकिन कहा कि बदलाव केवल परीक्षा प्रणाली तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

लद्दाख की यात्रा के दौरान ट्रेन से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में वांगचुक ने बताया कि उन्होंने पहली बार दिल्ली से श्रीनगर के बीच शुरू हुई वंदे भारत सेवा में सफर किया। इस दौरान उन्होंने चेनाब रेल पुल का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यात्रा का अनुभव बेहद सुखद रहा और भारतीय रेलवे की उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।

शिक्षा व्यवस्था पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए वांगचुक ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में उठाया गया कदम सकारात्मक है।

पैलेट गन पर पूर्ण प्रतिबंध से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

इलाज और रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल पर देशभर में तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने दिल्ली सरकार को पैलेट गन से घायल लोगों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने और केंद्र सरकार को घटना से जुड़े गोला-बारूद के सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है।

यह याचिका पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त एवं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद तथा पैलेट गन से घायल दो प्रदर्शनकारियों की ओर से दायर की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत से कानून-व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के दौरान धातु के छर्रों वाली पैलेट गन के उपयोग पर देशव्यापी रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा घायलों को मुआवजा, बेहतर चिकित्सा सुविधा और पुनर्वास उपलब्ध कराने की भी अपील की गई।

नियमों को चुनौती देने की सलाहसुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मौजूदा पुलिस नियमों और दिशानिर्देशों में विशेष परिस्थितियों में पैलेट गन के इस्तेमाल का प्रावधान है। जब तक इन नियमों को कानूनी रूप से चुनौती नहीं दी जाती, तब तक अदालत सीधे इनके उपयोग पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कई बार शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी हिंसक रूप ले सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों को मौके की स्थिति के अनुसार निर्णय लेना पड़ता है।

हॉकी जर्सी के रंग और छात्र आंदोलन को लेकर प्रियंका गांधी का केंद्र पर हमला

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी के रंग में किए गए बदलाव और छात्र आंदोलनों के दौरान कथित बल प्रयोग को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केवल प्रतीकों या रंगों में बदलाव करने से देश की मूल सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों को बदला नहीं जा सकता।

प्रियंका गांधी ने कहा कि चाहे राष्ट्रीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदला जाए या शिक्षा नीति के माध्यम से इतिहास की नई व्याख्या करने का प्रयास किया जाए, देश के युवा इन मुद्दों को समझ रहे हैं। उन्होंने हाल के छात्र आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आरएसएस पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि देश की स्वतंत्रता की लड़ाई सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर लड़ी गई थी। उनके अनुसार, महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने आजादी के आंदोलन का नेतृत्व किया और देश की मूल भावना भाईचारे, एकता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अदालत अब यह तय करेगी कि इस मामले को विचार के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजा जाए या नहीं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को अपने-अपने लिखित तर्क प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि बड़ी पीठ को संदर्भित किए जाने के मुद्दे पर सभी दलीलों पर विचार करने के बाद ही निर्णय सुनाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर याचिकाओं में वर्ष 2023 के नियुक्ति कानून की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह कानून चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है।

वर्तमान कानून के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित चयन समिति में प्रधानमंत्री, उनके द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को शामिल किया गया है।

इस कानून को चुनौती देने वालों में कांग्रेस नेता जया ठाकुर, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य याचिकाकर्ता शामिल हैं। उनका कहना है कि नियुक्ति प्रक्रिया में न्यायपालिका की भूमिका हटाना संविधान की मूल भावना और स्वतंत्र संस्थाओं की अवधारणा के अनुरूप नहीं है।

अब सभी पक्षों की लिखित दलीलें प्राप्त होने के बाद सुप्रीम कोर्ट यह तय करेगा कि मामले की सुनवाई दो सदस्यीय पीठ करेगी या इसे अंतिम निर्णय के लिए बड़ी संविधान पीठ के समक्ष भेजा जाएगा।

नई दिल्ली में, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहली बार महिलाओं की ट्राई-सर्विसेज (तीनों सेनाओं की) समुद्री यात्रा (सर्कमनेविगेशन सेलिंग एक्सपीडिशन) पूरी करने वाली आईएएसवी त्रिवेणी की टीम के साथ सम्मान समारोह में तस्वीरें खिंचवाईं।

यूक्रेन के बंदरगाह पर फंसे 13 भारतीय नाविक, रूसी हमलों के बीच बढ़ी चिंता

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

यूक्रेन के काला सागर स्थित चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर खड़े व्यापारी जहाज एमवी अमीर-1 पर सवार 13 भारतीय नाविक युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच अब भी फंसे हुए हैं। क्षेत्र में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बढ़ती घटनाओं के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

यूक्रेन में भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। यूक्रेनी दूतावास के अनुसार, काला सागर क्षेत्र के बंदरगाहों पर हाल के दिनों में हमलों की तीव्रता बढ़ी है। ऐसे में एमवी अमीर-1 पर मौजूद चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है और भारतीय दूतावास के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है।

भारतीय दूतावास ने भी कहा है कि सूचना मिलते ही मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया गया। दूतावास संबंधित यूक्रेनी अधिकारियों और अन्य पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है ताकि जहाज पर सवार सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

यूक्रेनी पक्ष का कहना है कि काला सागर की सुरक्षा और भारतीय नाविकों की स्थिति को लेकर यूक्रेन के विदेश मंत्री ने भारत के विदेश मंत्री से बातचीत का अनुरोध किया था, लेकिन इस पर अभी तक औपचारिक जवाब नहीं मिला है।

इससे पहले ओडेसा बंदरगाह पर एमवी एजीएन रैग्नर जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से दो अब भी लापता हैं। उनकी तलाश यूक्रेनी अधिकारियों के सहयोग से जारी है।

इधर, फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया (स्रस्द्ध) ने केंद्र सरकार से अपील की है कि एमवी अमीर-1 पर सवार भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकालने के लिए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएं।

तंजावुर में फूस के घर में आग के बाद गैस सिलेंडर फटा, 10 लोग झुलसे

एजेंसी न्यूज. तंजावुर

तमिलनाडु के तंजावुर जिले में गुरुवार तड़के एक दर्दनाक हादसे में एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर फटने से 10 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में एक 15 वर्षीय किशोरी भी शामिल है। हादसे के बाद सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सात लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना तिरुवोणम क्षेत्र के लक्ष्मीपुरम स्थित एक फूस के मकान में रात करीब दो बजे हुई। मकान में अचानक आग लगने पर आसपास के लोगों ने परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान रसोई में रखा एलपीजी सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया, जिससे मौके पर मौजूद कई लोग इसकी चपेट में आ गए। हादसे में मकान मालिक मुरुगायन, उनकी बेटी अभिनया तथा आग बुझाने में मदद कर रहे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

संसद परिसर में प्रियंका और कल्याण के बीच सियासी नोकझोंक

पुराने राजनीतिक घटनाक्रमों का भी हुआ जिक्र

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

संसद परिसर में मकर द्वार के बाहर गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के बीच दिलचस्प राजनीतिक संवाद देखने को मिला। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की पार्टियों से जुड़े पुराने घटनाक्रमों और राजनीतिक रिश्तों का उल्लेख किया। जानकारी के अनुसार, संसद से निलंबन के विरोध में कल्याण बनर्जी 'गद्दार' लिखे पोस्टर के साथ प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान प्रियंका गांधी वहां पहुंचीं। उनके साथ निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी मौजूद थे।

बातचीत के दौरान प्रियंका गांधी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने समय-समय पर कांग्रेस के कई नेताओं को अपने दल में शामिल किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा कि वर्ष 1997 में ममता बनर्जी को कांग्रेस से बाहर किए जाने के बाद ही उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उन्होंने यह भी कहा कि वह स्वयं कभी युवा कांग्रेस से जुड़े रहे हैं।

चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दौर में ममता बनर्जी को आगे बढ़ने का अवसर दिया था। इस पर कल्याण बनर्जी ने भी सहमति जताते हुए स्वीकार किया कि ममता बनर्जी को उस समय राजीव गांधी का समर्थन मिला था।

यह बातचीत ऐसे समय हुई जब तृणमूल कांग्रेस के भीतर कुछ नेताओं के असंतोष और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में टीएमसी सांसद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और पार्टी छोड़ने वाले नेताओं के खिलाफ अपना विरोध जता रहे थे। संसद परिसर में हुई यह बातचीत राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी रही।

ड्रग्स के खिलाफ सख्ती

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में कार्यरत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके मूल वेतन का 30 प्रतिशत प्रोत्साहन भत्ता देने की मंजूरी दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस द्वारा विधानसभा में की गई घोषणा के बाद लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान को और मजबूत बनाने तथा सक्षम पुलिस अधिकारियों को इस विशेष इकाई में सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

बॉटम न्यूज...

टेरर फंडिंग जांच में ईडी की तीन राज्यों में छापेमारी

कोयंबटूर कार बम धमाका

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वर्ष 2022 के कोयंबटूर कार बम विस्फोट से जुड़े कथित आतंकी फंडिंग नेटवर्क की जांच के तहत गुरुवार को तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। एजेंसी ने चेन्नई, कोयंबटूर, हैदराबाद और मुंबई सहित कुल 16 स्थानों पर छापेमारी की।

ईडी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामले में की है। यह जांच एनआईए द्वारा कोयंबटूर विस्फोट मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।

जांच एजेंसी का आरोप है कि वर्ष 2022 में संगमेश्वर मंदिर के पास हुए आत्मघाती कार बम विस्फोट के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से फर्जी कोविड-19 वैक्सीन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का नेटवर्क संचालित किया गया। इसके अलावा, कोयंबटूर स्थित एक शैक्षणिक संस्थान के माध्यम से कथित रूप से धोखाधड़ी वाले निवेश और डोनेशन के जरिए भी धन एकत्र किए जाने की आशंका की जांच की जा रही है।

ईडी का दावा है कि मामले के मुख्य आरोपी जेमेशा मुबीन और उसके सहयोगी कथित रूप से आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित थे। एजेंसी के अनुसार, जांच में सामने आया है कि कुछ आरोपी संबंधित संस्थान के कार्यक्रमों में शामिल हुए थे, जहां से उनके कट्टरपंथी विचारधारा की ओर प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। इन आरोपों की जांच अभी जारी है।

जांच के दौरान ईडी यह भी पता लगा रही है कि फर्जी वैक्सीन प्रमाणपत्र जारी करने से प्राप्त धन का इस्तेमाल कथित आतंकी गतिविधियों में किया गया या नहीं। एजेंसी के अनुसार, इस नेटवर्क के माध्यम से बिना टीकाकरण कराए कोविड-19 वैक्सीन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के बदले लोगों से धन लिया जाता था।

गौरतलब है कि 23 अक्टूबर 2022 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में संगमेश्वर मंदिर के निकट विस्फोटकों से भरी कार में धमाका हुआ था, जिसमें कथित आत्मघाती हमलावर जेमेशा मुबीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। इस मामले की जांच एनआईए और ईडी सहित केंद्रीय एजेंसियां विभिन्न पहलुओं से कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कई मुद्दों को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता को हिरासत में लिया गया।

व्यापार...

गोल्ड लोन के नियमों में बड़ा बदलाव संभवः अब हर महीने भरनी पड़ सकती है श्वरद्ध, कर्जदारों पर बढ़ेगा भुगतान का दबाव

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए आने वाले दिनों में कर्ज चुकाने के नियम बदल सकते हैं। यदि प्रस्तावित बदलाव लागू होते हैं, तो उधारकर्ताओं को अब केवल लोन अवधि के अंत में एकमुश्त भुगतान करने के बजाय हर महीने नियमित EMI चुकानी पड़ सकती है। इस बदलाव का उद्देश्य गोल्ड लोन प्रणाली को अधिक पारदर्शी और अनुशासित बनाना बताया जा रहा है।

वर्तमान में कई गोल्ड लोन योजनाओं में ग्राहकों को पूरी अवधि के बाद मूलधन और ब्याज एक साथ चुकाने की सुविधा मिलती है। लेकिन नए नियम लागू होने पर मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करना अनिवार्य हो सकता है। इससे समय पर किस्त जमा करना जरूरी होगा और चूक की स्थिति में अतिरिक्त वित्तीय दबाव भी बढ़ सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित EMI व्यवस्था से बैंकों और वित्तीय संस्थानों में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (NPA) का जोखिम कम होगा और ऋण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित बनेगी। वहीं, ग्राहकों को भी अपने भुगतान की बेहतर योजना बनानी होगी।

शेयर बाजार में लौटी रौनकः सेंसेक्स 273 अंक उछला, निफ्टी 24,300 के पार; आईटी और ऑटो शेयरों ने दिखाई ताकत

एजेंसी न्यूज. मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को निवेशकों का भरोसा मजबूत दिखाई दिया। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी और ऑटोमोबाइल कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार को मजबूती मिली, जबकि रियल एस्टेट और वित्तीय सेवा क्षेत्र में दबाव देखने को मिला।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 273 अंक की बढ़त के साथ 77,928 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 सूचकांक 24,300 के स्तर को पार करते हुए मजबूती के साथ कारोबार समाप्त करने में सफल रहा।

कारोबार के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और ऑटो सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला। दूसरी ओर, रियल एस्टेट और वित्तीय सेवा क्षेत्र के कुछ शेयरों में बिकवाली के कारण इन सेक्टरों पर दबाव बना रहा।

फेड के फैसले से बाजार में हलचलः सेंसेक्स-निफ्टी में उतार-चढ़ाव, आईटी शेयर बने निवेशकों का सहारा

एजेंसी न्यूज. मुंबई

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को यथावत रखने के फैसले का असर गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। पूरे कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव बना रहा। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में मजबूत खरीदारी ने बाजार को संभाले रखा, जबकि रियल एस्टेट सेक्टर दबाव में नजर आया। विश्लेषकों के अनुसार, फेड के फैसले के बाद वैश्विक निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया, जिसका असर घरेलू बाजार की चाल पर भी पड़ा। कारोबार के दौरान कई बार बाजार में तेजी और गिरावट का दौर देखने को मिला, लेकिन आईटी सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा। दूसरी ओर, रियल्टी शेयरों में बिकवाली हावी रही, जिससे इस सेक्टर के अधिकांश प्रमुख शेयर लाल निशान में बंद हुए। अन्य सेक्टरों में भी मिला-जुला रुख देखने को मिला। वैश्विक बाजारों पर नजर डालें तो निवेशक अब फेड के अगले कदम, महंगाई के आंकड़ों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले कारोबारी सत्रों में कंपनियों के तिमाही नतीजे, वैश्विक आर्थिक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

31 जुलाई की डेडलाइन चूके तो बढ़ सकती है मुश्किलें! जानिए किसे भरना है ITR और देर होने पर क्या होगा नुकसान

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने की अंतिम तिथि नजदीक है। ऐसे में समय रहते रिटर्न भरना बेहद जरूरी है। यह केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आपके टैक्स रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने, रिफंड प्राप्त करने और भविष्य में बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि समय सीमा के भीतर रिटर्न दाखिल नहीं किया जाता, तो कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

किन लोगों के लिए ITR दाखिल करना जरूरी?

जिन लोगों की आय आयकर विभाग द्वारा तय की गई कर योग्य सीमा से अधिक है, उनके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य है।

इसके अलावा कुछ विशेष परिस्थितियों में भी रिटर्न भरना जरूरी हो सकता है, जैसे अधिक मूल्य के वित्तीय लेन-देन, विदेशी संपत्ति या आय, या अन्य निर्धारित शर्तों का पूरा होना।

सही ITR फॉर्म का चुनाव क्यों जरूरी?

आय, व्यवसाय, वेतन, पूंजीगत लाभ या अन्य स्रोतों के आधार पर अलग-अलग ITR फॉर्म निर्धारित किए गए हैं। गलत फॉर्म चुनने पर रिटर्न अमान्य हो सकता है, इसलिए अपनी आय के अनुसार सही फॉर्म का चयन करना आवश्यक है।

रिटर्न भरने से पहले रखें ये दस्तावेज तैयार

आईटीआर दाखिल करने से पहले पैन कार्ड, आधार कार्ड, फॉर्म-16 (यदि लागू हो), बैंक खाते का विवरण, ब्याज आय, निवेश से जुड़े दस्तावेज और अन्य आय संबंधी रिकॉर्ड अपने पास रखना चाहिए। इससे रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया आसान और त्रुटिरहित रहती है।

ई-फाइलिंग और ई-वेरिफिक्रेशन भी जरूरी

रिटर्न दाखिल करने के बाद उसका *ई-वेरिफिक्रेशन* करना भी अनिवार्य होता है। ई-वेरिफिक्रेशन पूरा होने के बाद ही आयकर विभाग रिटर्न को वैध मानता है और रिफंड जैसी प्रक्रिया आगे बढ़ती है।

समय सीमा चूकने पर क्या हो सकता है?

यदि निर्धारित समय तक ITR दाखिल नहीं किया जाता, तो विलंब शुल्क, ब्याज और कुछ कर लाभों से वंचित होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

समाज सेवा में एचडीएफसी की बड़ी छलांगः CSR पर 1,316 करोड़ रुपये खर्च, 10 करोड़ से ज्यादा लोगों तक पहुंचा 'परिवर्तन' अभियान

एजेंसी न्यूज. नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक ने अपनी विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं पर 1,316 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत अधिक है। बैंक की प्रमुख सामाजिक पहल 'परिवर्तन' के माध्यम से देशभर में 10.7 करोड़ से अधिक लोगों तक सहायता और विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया।

इस अभियान के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कौशल प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और आजीविका जैसे क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य किए गए।

सीमावर्ती गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई योजनाएं संचालित की गईं।

बैंक का कहना है कि उसकी CSR रणनीति केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के वंचित वर्गों को दीर्घकालिक विकास से जोड़ने पर केंद्रित है।

'परिवर्तन' कार्यक्रम के माध्यम से लाखों परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

द ट्रेटर्स इंडिया 2 की रिलीज तारीख का ऐलान, ट्रेलर में दिखे प्रतियोगियों के चेहरे

करण जौहर के लोकप्रिय रियलिटी शो द ट्रेटर्स इंडिया का दूसरा सीजन आने के लिए तैयार है। पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने वीडियो जारी करते हुए शो का ऐलान किया था और अब इसकी आधिकारिक स्ट्रीमिंग तारीख भी आ गई है। निर्माताओं ने शो का धमाकेदार ट्रेलर जारी किया है और इसमें आने वाले कुछ प्रतियोगियों की झलक भी दिखाई है। शो के जरिए एक बार फिर करण को होस्टिंग की कमान संभालते हुए देखा जाएगा।

ट्रेलर की शुरुआत करण से होती है, जो पहले सीजन की खट्टी-मीठी यादों को ताजा करते हुए बताते हैं कि नए सीजन में 21 प्रतियोगी शामिल हो रहे हैं। ये लोग गेम के साथ-साथ भावनाओं के साथ भी खेलेंगे।

इसके बाद, मल्लिका शेरावत और मुनव्वर फारूकी की झलक दिखाई जाती है, जो शो के पहले 2 प्रतियोगी हैं।

शो का प्रीमियर 13 अगस्त, 2026 से प्राइम वीडियो पर होगा और हर गुरुवार को इसके एपिसोड ट्रेलीकास्ट किए जाएंगे।

मुसाफिर कैफे से रिलीज हुआ विक्रांत मैसी का नया गाना टूटा रहूंगा , सुनकर रो उठेगा दिल

विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना की सीरीज मुसाफिर कैफे चर्चा में है। दिव्य प्रकाश दुबे का प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास पर आधारित ये रोमांटिक ड्रामा 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। समीक्षकों और दर्शकों से इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। खासतौर पर विक्रांत के अभिनय को लोगों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। अब सीरीज से भावुक गाना टूटा रहूंगा टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ है, जिसका फिल्मांकन विक्रांत और वेदिका पर किया गया है। यूट्यूब पर आए टूटा रहूंगा गाने को गर्वित सोनी ने आवाज दी है, जबकि संगीत उन्होंने प्रियांश के साथ मिलकर दिया है। इसके बोल अनिकेत शुक्ला ने लिखे हैं।

गावित के गोल्ड से चमका भारत, 15 पदकों के साथ टॉप-10 में बरकरार; जानिए किसने जीता कौन-सा मेडल

एजेंसी न्यूज. ग्लास्गो

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सातवें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झोली में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जोड़े। पैरा एथलीट दिलीप महादू गावित की ऐतिहासिक स्वर्णिम जीत ने भारत का गौरव बढ़ाया, जबकि अन्य खिलाड़ियों के रजत पदकों ने कुल पदक संख्या को 15 तक पहुंचा दिया।

सातवें दिन के मुकाबलों के बाद भारत के खाते में अब 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक हैं। इसी के साथ भारतीय दल पदक तालिका में आठवें स्थान पर कायम है। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार बेहतर प्रदर्शन से आने वाले दिनों में पदकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

दिन की सबसे बड़ी सफलता दिलीप गावित के नाम रही। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए न सिर्फस्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया गेम्स रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उनकी इस उपलब्धि ने पूरे देश को गौरवान्वित किया।

इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने दो अन्य स्पर्धाओं में रजत पदक जीतकर देश की झोली और भर दी। इन पदकों की बदौलत भारत ने शीर्ष-10 देशों में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है।

सीक्विन लहंगे में वाणी कपूर का स्टनिंग अवतार, तस्वीरें देख फैंस हुए दीवाने

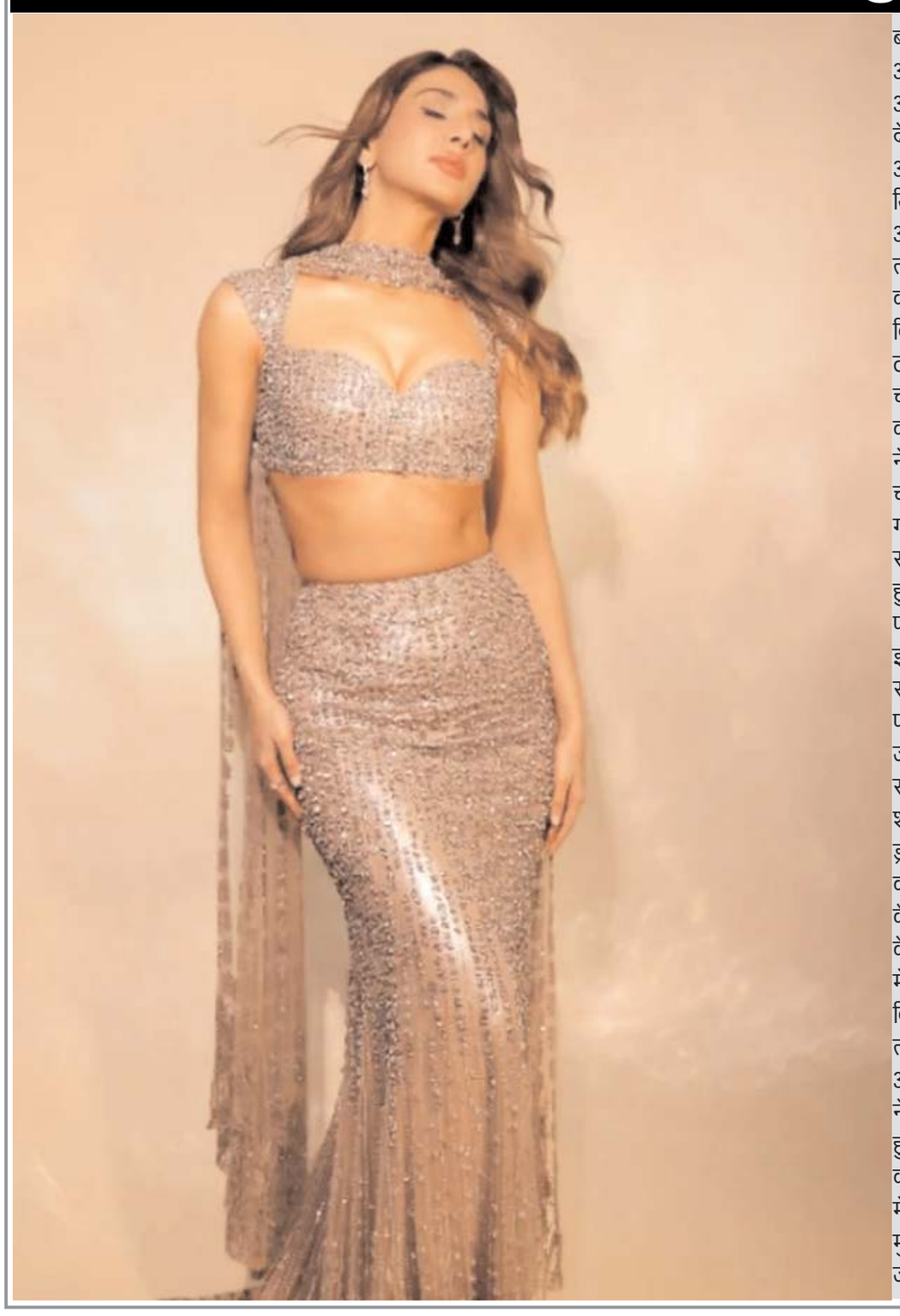

बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में से एक, वाणी कपूर अक्सर अपने फैशन सेंस से लोगों को हैरान कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका अब तक का सबसे बोल्ड और एलीगेंट रूप देखने को मिल रहा है। तस्वीरों में वाणी कपूर ने एक शानदार को-ऑर्ड स्टाइल या मॉडर्न लहंगे को कैरी किया है, जो न्यूड-रोज गोल्ड या मैटेलिक टोन में है। इसके साथ उन्होंने एक डीपनेक चोली कैरी की है।

वाणी की चोली में एक प्लंजिंग डीप नेकलाइन है, जिसे एक मैचिंग एम्बेलिश्ड चोकर कॉलर नेकलाइन के साथ जोड़ा गया है। यह ब्लाउज पूरी तरह से चमकीले सीक्विंस, बीड्स और क्रिस्टल वर्क से सजा हुआ है, जो उनके टोंड मिड्रिफ को बखूबी फ्लॉन्ट कर रहा है।

इसके साथ उन्होंने मैचिंग मरमेड-कट स्टाइल वाली फिटेड स्कर्ट पहनी है, जिस पर वर्टिकल सीक्विंस की स्ट्राइप्स बनी हैं जो बॉडी को बेहद अट्रैक्टिव शेप दे रही हैं। साथ में अटैच्ड केप या फ्लोइंग मैचिंग शीयर दुपट्टा उनके लुक में एक रॉयल और ड्रामा टच जोड़ रहा है।

वाणी ने अपने लुक को कॉम्प्लीमेंट करने के लिए बालों को सॉफ्ट और वोल्यूमिनस वेव्स में खुला रखा है। उन्होंने ग्लॉसी मेकअप के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है।

तस्वीरों में वाणी एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। वाणी ने कहीं विंटेज हॉलीवुड ग्लैम वाइब्स देते हुए अपनी आँखें बंद की हैं, तो कहीं कैमरे की तरफ बेहद इंटेंस और कॉन्फिडेंट लुक में देख रही हैं। उनकी मिलियन-डॉलर की मुस्कान भी एक तस्वीर में फैंस का दिल जीत रही है।

एक हाथ खोया, हौसला नहीं... दिलीप गावित बने देश के 'गोल्डन बॉय', रचा नया इतिहास

एजेंसी न्यूज. ग्लास्गो

कठिन परिस्थितियां किसी इंसान के सपनों को रोक नहीं सकतीं, अगर उसके इरादे मजबूत हों। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं महाराष्ट्र के पैरा एथलीट दिलीप महादू गावित, जिन्होंने बचपन में एक हादसे में अपना एक हाथ खो दिया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। वर्षों की मेहनत और संघर्ष के दम पर उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

महाराष्ट्र के एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का बचपन आर्थिक तंगी और चुनौतियों के बीच बीता। बचपन में हुए एक दर्दनाक हादसे में उनका एक हाथ चला गया। इस घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी, लेकिन उन्होंने अपनी कमजोरी को कभी अपनी पहचान नहीं बनने दिया।

गांव की पगडंडियों और खेतों में दौड़ते-दौड़ते दिलीप की रफ्तार ने उन्हें एथलेटिक्स की दुनिया तक पहुंचा दिया। लगातार अभ्यास, अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में दिलीप गावित ने अपनी शानदार दौड़ से इतिहास रच दिया। उन्होंने न सिर्फ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि नया गेम्स रिकॉर्ड भी स्थापित किया। उनकी इस उपलब्धि ने भारतीय पैरा खेलों को नई पहचान दिलाई और करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश दिया।

दिलीप गावित की कहानी बताती है कि सफलता शरीर की ताकत से नहीं, बल्कि मजबूत इरादों और अटूट आत्मविश्वास से हासिल होती है। एक हाथ खोने के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को उड़ान दी और आज वे देश के नए 'गोल्डन बॉय' बनकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर रहे हैं।

मेलबर्न के महानायक' अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट को कहा अलविदा, 15 साल के सुनहरे सफर पर लगा पूर्ण विराम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शुमार और ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत के नायक अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समेत सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी। उनके इस फैसले के साथ भारतीय क्रिकेट के एक यादगार अध्याय का अंत हो गया।

रहाणे ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा करते हुए अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, ÷कैप नंबर 278... अब यहीं तक। वर्षों तक मिले आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा।÷

अजिंक्य रहाणे ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 मुकाबले खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफथा। शांत स्वभाव, तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाजी और कठिन परिस्थितियों में टीम को संभालने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का एक खास खिलाड़ी बनाया। रहाणे को क्रिकेट प्रेमी आज भी 'मेलबर्न का हीरो' के नाम से याद करते हैं। 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड टेस्ट की हार के बाद उन्होंने मेलबर्न में शानदार शतक जड़कर टीम इंडिया में नया आत्मविश्वास भरा। उनकी कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया, जिसे भारतीय क्रिकेट की सबसे महान टेस्ट जीतों में गिना जाता है। ?

रहाणे का क्रिकेट सफर सिर्फआंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने कई मुश्किल मौकों पर टीम इंडिया के संकटमोचक की भूमिका निभाई। विदेशों में उनके प्रदर्शन और संयमित नेतृत्व की हमेशा सराहना की गई। उनके संन्यास की घोषणा के बाद क्रिकेट जगत और प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को याद किया।

ग्लास्गो में नीरज की दमदार वापसी, फाइनल की ओर बढ़े गोल्डन बॉय; रोहित और यशवीर ने भी दिखाई चुनौती

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष भालाफेंक स्पर्धा के क्वालिफिक्रेशन राउंड में भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया।

एजेंसी न्यूज. ग्लास्गो

लंबे समय बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी कर रहे नीरज ने तीन प्रयासों में अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो 79.61 मीटर का दर्ज किया। उनके साथ भारतीय खिलाड़ी रोहित यादव और यशवीर सिंह ने भी संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया। क्वालिफिक्रेशन राउंड में कुल 18 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जबकि फाइनल के लिए 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को जगह मिलनी थी। 84 मीटर का थ्रो सीधे फाइनल का टिकट था, लेकिन यह दूरी पार नहीं होने की स्थिति में सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ियों का चयन होना था।

नीरज ने अपने पहले प्रयास में 76.28 मीटर का थ्रो किया। दूसरे प्रयास में उन्होंने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 79.61 मीटर तक भाला फेंका, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। तीसरे प्रयास की जरूरत नहीं पड़ी और वह फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में दिखाई दिए।

भारत के रोहित यादव ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 77.04 मीटर और दूसरे प्रयास में 78.37 मीटर का थ्रो किया। वहीं यशवीर सिंह ने पहले प्रयास में 73.89 मीटर, दूसरे में 74.45 मीटर और तीसरे प्रयास में 78.36 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया।

क्वालिफिक्रेशन राउंड में श्रीलंका के रुमेश थरंगा 82.84 मीटर के साथ शीर्ष पर रहे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 81.29 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डू स्मिट और इंग्लैंड के बेन ईस्ट ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 78.63 मीटर के साथ शुरुआत की, लेकिन दूसरे प्रयास में फाउल करने के बाद तीसरे प्रयास में 75.65 मीटर ही फेंक सके।

नीरज चोपड़ा के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स हमेशा खास रहे हैं। 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में उन्होंने 86.47 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतते हुए इतिहास रचा था। चोट के कारण 2022 संस्करण से बाहर रहने के बाद अब वह आठ साल बाद इस प्रतियोगिता में लौटे हैं।

पिछले एक वर्ष में पीठ की चोट से जूझने के बावजूद नीरज ने अपनी तकनीक और फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। अब उनका लक्ष्य सिर्फ फाइनल में जगह बनाना नहीं, बल्कि एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतकर यह साबित करना है कि भारतीय एथलेटिक्स का 'गोल्डन बॉय' अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में लौट चुका है।

सेप्टिक टैंक में शव मिलने से लेकर रिश्तेदारी पर जिरह तक कोर्ट में मुकेश चंद्राकर के भाई पुरुषोत्तम का बयान दर्ज

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड से जुड़े सत्र प्रकरण क्रमांक 55/2025 में शनिवार 25 जुलाई को दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा की प्रथम अपर सत्र न्यायालय में अभियोजन पक्ष के साक्षी क्रमांक 07 पुरुषोत्तम चंद्राकर का बयान दर्ज किया गया। न्यायमूर्ति मोहन प्रसाद गुप्ता की अदालत में करीब 45 वर्षीय शिक्षक पुरुषोत्तम चंद्राकर ने शपथपूर्वक मुख्य परीक्षण और प्रतिपरीक्षण में अपना पक्ष रखा। अदालत में हुई सुनवाई के दौरान मुकेश के लापता होने, चट्टानपारा स्थित मामा बाड़ा में उनकी तलाश, सेप्टिक टैंक से शव बरामद होने और आरोपियों से साक्षी के रिश्ते को लेकर कई अहम सवाल-जवाब हुए।

मुख्य परीक्षण में साक्षी ने बताया कि मृतक मुकेश चंद्राकर उनके छोटे भाई थे और वे 'बस्तर जंक्शन' नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने के साथ एनडीटीवी के संवाददाता के रूप में काम करते थे। 1 जनवरी 2025 की रात से मुकेश के लापता होने की जानकारी 2 जनवरी को मिली।

शाम तक उनका मोबाइल बंद मिलने के बाद तलाश शुरू की गई और थाना बीजापुर में सूचना दी गई। अगले दिन व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से चट्टानपारा स्थित सुरेश चंद्राकर के मामा बाड़ा में लोगों के जुटने की जानकारी मिली। वहां पहुंचने पर पुलिस, पत्रकार, स्थानीय लोग, तहसीलदार और नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। जेसीबी की मदद से सेप्टिक टैंक का ढक्कन हटाया गया, जिसके भीतर मुकेश का शव बरामद हुआ। पुरुषोत्तम ने शव की पहचान पवन और चेतन के साथ मुकेश के रूप में करने की बात कही। इस दौरान बरामदगी और पहचान संबंधी पंचनामे तैयार किए गए, जिन पर उनके हस्ताक्षर कराए गए।

सेप्टिक टैंक की बरामदगी पर भी सवाल

प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने बताया कि वह व्हाट्सऐप संदेश मिलने के बाद शाम करीब 5 से 6 बजे मामा बाड़ा पहुंचे थे। जेसीबी से टैंक का ढक्कन हटाए जाने के बाद अंदर शव दिखाई दिया। टैंक में पानी भरा था, जिसे नगर पालिका के कर्मचारियों ने बाहर निकाला। उन्होंने पुलिस को फ्लोरिंग होने की जानकारी देने की बात स्वीकार की, हालांकि एक-दो दिन पहले ही फ्लोरिंग किए जाने की बात पुलिस बयान में नहीं कही थी। बरामदगी और शिनाख्ती पंचनामा रात करीब 7 से 8 बजे के बीच तैयार होने की बात भी सामने आई।

प्रतिपरीक्षण में रिश्तेदारी को लेकर सवाल

आरोपियों की ओर से अधिवक्ताओं ने साक्षी से कई बिंदुओं पर सवाल किए। पुरुषोत्तम ने स्पष्ट किया कि मुकेश और यूकेश उनके मौसेरे भाई नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मुकेश के पिता और उनके पिता एक ही हैं, जबकि माताएं अलग-अलग हैं। पुलिस के बयान में यदि मुकेश को मौसेरा भाई लिखा गया है तो इसका कारण वे नहीं बता सकते। उन्होंने आरोपियों को अपना निकट संबंधी नहीं बल्कि बीजापुर शहर के निवासी बताया। चचेरा भाई होने अथवा तथ्यों को छिपाकर झूठा बयान देने के आरोप को उन्होंने गलत बताया।

गुमशुदगी के बाद तलाश की प्रक्रिया पर भी जिरह

साक्षी ने बताया कि गुमशुदगी की सूचना देने के बाद वे सीधे मामा बाड़ा नहीं गए थे। पहले मुकेश के कार्यालय और फिर घर गए थे। मामा बाड़ा करीब 5 से 6 डिसमिल क्षेत्र में है, जहां 10 से 15 कमरे बने हैं। उनके पहुंचने के समय अधिकांश कमरे बंद थे, जबकि दो कमरे खुले थे और वहां एक-दो महिलाएं दिखाई दी थीं। उन्होंने कहा कि शव मिलने से पहले उन्हें केवल आशंका थी, निश्चित जानकारी नहीं। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार को लेकर थाने में शिकायत करने की बात से भी उन्होंने इनकार किया।

अदालत ने स्थगन आवेदन शर्त के साथ स्वीकार किया

प्रतिपरीक्षण के दौरान अधिवक्ता क्षितिज दुबे ने अधिवक्ता संजय शुक्ला के ससुर की आकस्मिक मृत्यु के कारण उनकी अनुपस्थिति का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किया। अदालत ने आवेदन को इस शर्त के साथ स्वीकार किया कि भविष्य में यदि साक्षी की मृत्यु हो जाती है या वह न्यायालय की पहुंच से बाहर हो जाता है, तो वर्तमान में दर्ज साक्ष्य को बिना प्रतिपरीक्षण के भी ग्राह्य माना जा सकेगा। साक्षी का बयान उनके बताए अनुसार लेखबद्ध किया गया और पढ़कर सुनाने के बाद उन्होंने उसे सही स्वीकार किया। मामले की आगामी सुनवाई में इस बयान और अन्य साक्ष्यों का महत्व अभियोजन तथा बचावके दौरान सामने आ सकता है।

कैशलेस चिकित्सा योजना का ड्राफ्ट तैयार, ई-कार्ड से मिलेगा सीधे मुफ्त इलाज

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के लगभग 5 लाख शासकीय कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने जा रही है। इस योजना के लागू होने से कर्मचारियों को बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिसके लिए राज्य शासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के मुख्य बजट में 100 करोड़ का प्रावधान किया है।

योजना की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी शामिल हुए। बैठक के दौरान चटर्जी ने केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (CGHS) की तर्ज पर ही प्रदेश के पेंशनरों एवं अन्य विशिष्ट वर्ग के लाभार्थियों को CGHS पैकेज दरों पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का प्रस्ताव रखा। नई योजना लागू होने से पुरानी जटिल चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रणाली समाप्त होगी; अब बिना किसी अग्रिम राशि के ई-कार्ड के ऑनलाइन वेरिफिकेशन से तुरंत इलाज शुरू हो सकेगा। इसमें रेफरल की अनिवार्यता को समाप्त कर सीधे इलाज की सुविधा दी गई है और राज्य सरकार ऑनलाइन (TMS) माध्यम से ष्ठत्र॥स् दरों पर सीधे अस्पताल को भुगतान करेगी।

फर्जी मेडिकल बिलों पर नकेल कसने के लिए उपचार की जांच-पड़ताल AI-आधारित ट्रिगर विश्लेषण और राष्ट्रीय धोखाधड़ी विरोधी इकाई (NAFU) के जरिए की जाएगी। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के जिलाध्यक्ष डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, प्रांतीय प्रवक्ता विधु शेखर झा, उपाध्यक्ष अरुण देवांगन, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पूर्णिमा देहारी, सचिव आनंद एस. अय्यर, निरंजन दास और कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने इस कर्मचारी हितैषी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मुख्य सचिव विकासशील और स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया का आभार जताया है।

बस्तर में सड़क क्रांति की दिशा में बड़ा कदम, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले सांसद महेश कश्यप

संभाग मुख्यालय को भारतमाला से जोड़ने की मांग, सांसद महेश कश्यप ने गडकरी के समक्ष रखा रोडमैप

बस्तर संभाग के सभी जिला मुख्यालयों को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जोड़ने हेतु विशेष पैकेज

इम्पेक्ट न्यूज. बीजापुर

दिल्ली प्रवास के दौरान बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात कीस इस दौरान सांसद ने बस्तर अंचल के समग्र विकास,व्यापारिक सुगमता और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षेत्र की सड़कों तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के व्यापक सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार संबंधी एक महत्वपूर्ण पत्र सौंपा।

केंद्रीय मंत्री को सौंपे गए पत्र में सांसद महेश कश्यप ने उल्लेख किया कि क्षेत्र में सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों और प्रभावी रणनीतियों के परिणामस्वरूप नक्सलवाद पर कड़ा नियंत्रण स्थापित हुआ है। इस सकारात्मक बदलाव के कारण बस्तर में विकास,नए उद्योगों की स्थापना, व्यापारिक गतिविधियों और पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर निर्मित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन उभरती संभावनाओं को पूर्ण आकार देने और क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़े रखने के लिए एक आधुनिक सड़क नेटवर्क समय की सबसे प्राथमिक आवश्यकता है। सांसद श्री महेश कश्यप ने एनएमडीसी स्टील प्लांट की गतिविधियों और परिवहन को सुचारू बनाने के लिए जगदलपुर नगरनार ओडिशा सीमा मार्ग को फोर लेन में परिवर्तित करने की मांग रखी। इसके साथ ही अंतर्राज्यीय संपर्क को मजबूती प्रदान करने के दृष्टिकोण से जगदलपुर दंतेवाड़ा बीजापुर भोपालपटनम से तेलंगाना सीमा तक जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को भी फोरलेन के रूप में विकसित करने का आग्रह किया।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बीजापुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के 'माई भारत' संगठन के तत्वावधान में गुरुवार को पोर्टा केबिन ऑडिटोरियम, बीजापुर में जिला स्तरीय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम श्री जागेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र (DTIC) के प्रबंधक श्री सिद्धांत दुबे एवं माई भारत के जिला युवा अधिकारी श्री आदित्य पांडेय उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया।

बारसूर के मार्डेर नाले का कलेक्टर ने लिया जायजा

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

आज बारसूर क्षेत्र में निरीक्षण, भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव द्वारा जिला दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र में बहने वाले मार्डेर नाले का मुआयना किया गया।सनद रहे कि विगत वर्ष अति वर्षा के दौरान उक्त नाले का एप्रोच हिस्सा भारी बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया था जिससे क्षेत्र का संपर्क अन्य हिस्सों से टूट गया था और वर्तमान में जिले में विगत दो दिवस से हो रही अनवरत बारिश को देखते हुए कलेक्टर द्वारा इस नाले का जायजा लेते हुए सुरक्षा एवं आवागमन संबंधी सावधानी बरतने की सलाह उपस्थित अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने बारसूर क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण बच्चों के पोषण एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने आज गीदम विकासखंड के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र घोटपाल-01 नाकापारा, समरतपारा आंगनवाड़ी केंद्र तथा सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र रोंजे स्कूल पारा का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पोषण संबंधी व्यवस्थाओं तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने सर्वप्रथम मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र घोटपाल-01 नाकापारा में बच्चों की दर्ज संख्या, पोषण ट्रैकर ऐप में दर्ज जानकारी, नियमित टीकाकरण की स्थिति, कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों की संख्या, गर्भवती एवं धात्री माताओं को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री के वितरण की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों के वजन एवं ऊंचाई मापन, ग्रोथ मॉनिटरिंग रजिस्टर, स्वास्थ्य परीक्षण, पूरक पोषण आहार वितरण तथा टीकाकरण अभिलेखों का भी अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री ध्रुव ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा, खेल-खेल में सीखने की गतिविधियां, प्री-स्कूल शिक्षा, स्वच्छता एवं पोषण संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली।

स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन की तैयारी हेतु आवश्यक निर्देश

बीजापुर। जिले में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय ढंग से मनाया जायेगा। जिले में मुख्य समारोह मिनी स्टेडियम बीजापुर के मैदान में आयोजित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन की तैयारी हेतु कलेक्टर श्री विश्वदीप की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कैम्प, ऑफिस, कलेक्टर निवास में प्रातः 7:15 बजे कलेक्टर बीजापुर द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। इसके पश्चात प्रातः 7:30 बजे कलेक्टर बीजापुर द्वारा कलेक्टोरेट बीजापुर में ध्वजारोहण किया जाएगा, जिसमें कलेक्टोरेट में संचालित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित होंगे।

बारिश भी नहीं रोक सकी बाघ संरक्षण का जुनून : अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व में उमड़ा जनसैलाब

'रन फॉर इंद्रावती' मैराथन, छात्र प्रतियोगिताओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों से गूंजा इंद्रावती टाइगर रिजर्व

इम्पेक्ट न्यूज. बीजापुर

अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर में वन्यजीव एवं बाघ संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इंद्रावती टाइगर रिजर्व एवं नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग, विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। देश के चौथे सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में पहली बार इस स्तर पर व्यापक जनभागीदारी के साथ बाघ संरक्षण को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'रन फॉर इंद्रावती' मैराथन रही, जिसमें 5 एवं 10 किलोमीटर की दो श्रेणियों में लगभग 150 धावकों ने हिस्सा लिया। बीजापुर के साथ दंतेवाड़ा, कोंडागांव, बस्तर सहित अन्य जिलों से पहुंचे प्रतिभागियों ने मूसलाधार बारिश के बावजूद पूरे जोश और उत्साह के साथ दौड़ पूरी कर बाघ एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया। बारिश भी प्रतिभागियों के जज्बे को डिगा नहीं सकी और पूरे आयोजन के दौरान प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों का उत्साह देखते ही बना।

मैराथन के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री विश्वदीप ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बाघों और वनों का संरक्षण केवल शासन का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के इस अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया।

अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, पेंटिंग, कविता एवं भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिले के 9 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बाघ संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर उत्कृष्ट चित्र, पेंटिंग, कविताएं एवं प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि नई पीढ़ी प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति संवेदनशील और जागरूक है।

आधार सेवा केंद्र बना आयते के जीवन में उम्मीद की नई किरण

दंतेवाड़ा। जिले के ग्राम तोयलंका की निवासी आयते पिछले कई वर्षों से अपने आधार कार्ड के अपडेट न होने के कारण गंभीर परेशानियों का सामना कर रही थीं। आधार निष्क्रिय होने की वजह से उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो रही थी। पेंशन, राशन सहित अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ भी उन्हें समय पर नहीं मिल पा रहा था। कई बार प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिससे वे निराश हो चुकी थीं। इसी दौरान आयते को गांव के कुछ लोगों से जानकारी मिली कि जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आधार सेवा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां आधार संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाता है। यह जानकारी मिलते ही वे आधार सेवा केंद्र पहुंचीं और अपनी समस्या अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताई। जांच के दौरान पता चला कि लंबे समय से ई-केवाईसी नहीं होने के कारण उनका आधार कार्ड निष्क्रिय हो गया था।

जिला न्यायालय में मॉनिटरिंग सेल, न्यायालय अधोसंरचना ई-साक्ष्य एवं एन-स्टेप को लेकर हुई समीक्षा बैठक

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दंतेवाड़ा श्री संतोष कुमार आदित्य की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्याय सदन के सभाकक्ष में मॉनिटरिंग सेल, न्यायालय अधोसंरचना, ई-साक्ष्य एवं एन-स्टेप से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मोहन प्रसाद गुप्ता, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह दांगी, कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव, कलेक्टर सुकमा श्री अमित कुमार, कलेक्टर बीजापुर श्री विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रमोहन सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकमा श्री मयंक गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर श्री अमन झा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती अपूर्वा दांगी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अनन्त दीप तिर्की सहित न्यायालय, पुलिस, जेल, लोक अभियोजन, लोक निर्माण, विद्युत एवं प्रशासनिक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में ई-साक्ष्य एवं एन-स्टेप प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन, समन एवं वारंट की समयबद्ध तामिली, आगामी वर्षों की आवश्यकताओं के अनुरूप न्यायालयीन अधोसंरचना विकसित करने, जेलों में बंदियों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं टेलीमेडिसिन सुविधा उपलब्ध कराने तथा न्यायिक अधिकारियों के लिए न्यायिक पूल आवास एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचना विकसित किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही 5 से 10 वर्ष पुराने प्रकरणों, लक्षित प्रकरणों, नक्सल संबंधी मामलों तथा विचाराधीन बंदियों के प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए समन एवं वारंट की तामिली तथा उसकी रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका बीजापुर में नवनियुक्त एल्डरमैनों ने ली शपथ, जनसेवा और विकास के प्रति जताई प्रतिबद्धता

बीजापुर। नगर पालिका परिषद बीजापुर में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मनोनीत एल्डरमैनों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में नवनियुक्त एल्डरमैनों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर नगर के विकास, सुशासन एवं जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में एसडीएम एवं पीठासीन अधिकारी श्री जागेश्वर कौशल ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता सोम पुजारी, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री भुवन सिंह चौहान, वरिष्ठ नागरिक श्री घासीराम नाग, श्री संजय लुकड़ सहित नगर पालिका परिषद के सभी पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बंशीलाल नुरुटी अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी एम्बिशस् प्रिंटर्स के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक बिनोद कुमार सिंह द्वारा आसमा प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पंजाब नेशनल बैंक के सामने जय स्तंभ चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. से मुद्रित कर एच163, सुरभि कॉलोनी, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़, 494449 से प्रकाशित, संपादक* सुरेश महापात्र। (समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।)